

मोपाल

30 अक्टूबर 2026

शुक्रवार

आज का मौसम

 26.0 अधिकतम

 19.4 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

अमेरिका की साख पर दाग और ट्रंप की दुनिया मुट्टी में करने की जिद

रिशतों में साख का जितना महत्व है, अंतरराष्ट्रीय संबंधों में भी उतना ही है। ताकत के बल पर किसी को झुकाया जा सकता है, लेकिन उसका भरोसा हमेशा के लिए नहीं जीता जा सकता। बीते दो वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों ने यही सवाल खड़ा किया है कि क्या अमेरिका अपनी ताकत के साथ-साथ अपनी विश्वसनीयता भी गंवा रहा है? ट्रंप की राजनीति का मूल मंत्र है - 'अमेरिका फर्स्ट'। लेकिन जब राष्ट्रीय हितों की आड़ में पुराने सहयोगियों के हितों और सुरक्षा संबंधी प्रतिबद्धताओं को भी सौदेबाजी का हिस्सा बना लिया जाए, तो रिशतों में दरार पड़ना स्वाभाविक है। ट्रंप की समस्या केवल यह नहीं कि वे दुनिया के हर मामले में दखल देना चाहते हैं, बल्कि यह भी है कि वे मित्र देशों से अमेरिकी नेतृत्व स्वीकार करने की अपेक्षा रखते हैं, जबकि खुद अपने फैसलों में उनके हितों को पीछे छोड़ सकते हैं।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

भारत को भी सतर्क रहना होगा

भारत के साथ ट्रंप की कूटनीति भी इसी बदलती तस्वीर का हिस्सा है। मित्रता के दावे, व्यापार शुल्कों को लेकर दबाव और पाकिस्तान के साथ संबंधों को महत्व देने के संकेतों के बीच भारत को अपने राष्ट्रीय हितों और रणनीतिक स्वायत्तता को सखीपरि रखना होगा। भारत-अमेरिका संबंध किसी एक राष्ट्रपति की पसंद पर निर्भर नहीं हैं। दोनों देशों के साझा आर्थिक, तकनीकी और सामरिक हित हैं। लेकिन मित्रता का अर्थ अमेरिकी प्राथमिकताओं को आंख मूंदकर स्वीकार करना नहीं है। रिशतों की असली परीक्षा तब होती है, जब हित टकराते हैं। दुनिया अब धीरे-धीरे बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। रूस, चीन, यूरोप और भारत अपनी-अपनी भूमिका मजबूत करने में जुटे हैं। ऐसे में अमेरिका की हर दखलंदाजी उसके वर्चस्व को मजबूत करेगी, यह मान लेना भूल होगी। ताकत आज भी अमेरिका के पास है, लेकिन ताकत और साख एक ही चीज नहीं हैं। ट्रंप शायद अप्रत्याशित फैसलों को अपनी ताकत मानते हैं। लेकिन जब सहयोगी ही भविष्य की सुरक्षा के लिए विकल्प तलाशने लगे, तो यह नेतृत्व की विश्वसनीयता पर सवाल है।

इजराइल की सुरक्षा और अमेरिका का वर्चस्व

इजराइल में आए चुनावी नतीजों के बाद नेतन्याहू के भविष्य पर मंडराते खतरों को टालने और उनके वजूद को बचाना अमेरिका के लिए एक शर्त बन चुका है। यह नेतन्याहू को लेकर उनकी सबसे बड़ी परीक्षा की घड़ी है। उनकी सत्ता गई तो पश्चिमी एशिया में अमेरिका को अपनी नीतियों को नए सिरे से संयोजित करना पड़ेगा। पाकिस्तान तो उसके संदेशवाहक के बतौर ईरान में नाकाम साबित हो चुका है। दरअसल इस अमेरिकी दांव को लेकर कई देशों के मन में आशंका के जो बीज उपजे थे, वे अब पुष्ट होकर कड़वे सच के रूप में सबके सामने हैं। इजराइल में नई सरकार के गठन में अमरीकी दावों की असली परीक्षा में है। सवाल यही है क्या ट्रम्प सही मायनों में नेतन्याहू की दक्षिणपंथी सरकार को बचा पाएंगे, जब नेतन्याहू साफ कर चुके हैं की वे अपने देश के यहूदियों की खातिर अरब समर्थित पार्टियों का सहयोग लेने के बजाय विपक्ष में बैठना पसंद करेंगे।

यूक्रेन से पश्चिम एशिया तक

रूस-यूक्रेन युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के रिशतों की असहजता उजागर की। यूरोपीय देशों ने रूस के साथ टकराव की भारी आर्थिक और ऊर्जा-संबंधी कीमत चुकाई। रूसी ऊर्जा पर निर्भरता घटाने के लिए उन्हें महंगे वैकल्पिक स्रोतों की ओर जाना पड़ा, जबकि अमेरिकी ऊर्जा निर्यातकों को यूरोपीय बाजार में अवसर मिले। अब यदि वाशिंगटन की प्राथमिकताएं बदलती हैं और यूक्रेन को पहले जैसा समर्थन नहीं मिलता, तो यूरोप के सामने सवाल है कि उसने इस संघर्ष की कीमत किस भरोसे पर चुकाई? इसे अमेरिका की सुनियोजित साजिश कहना अतिशयोक्ति होगी, लेकिन अमेरिकी नीतियों में बदलाव से सहयोगियों का असहज होना स्वाभाविक है। पश्चिम एशिया में भी अमेरिकी नीति और इजराइल के साथ उसकी साझेदारी ने क्षेत्रीय संकटों को वैश्विक चिंता बना दिया है। अमेरिकी सुरक्षा व्यवस्था पर निर्भर देशों के सामने यह प्रश्न है कि संकट की घड़ी में वाशिंगटन उनके हितों को प्राथमिकता देगा या अपने रणनीतिक समीकरणों को?

रिशतों की बदलती तस्वीर को इन पंक्तियों से बेहतर क्या कहा जा सकता है-

'बदला जो वक्त गहरी रिफाकत बदल गई, सूरज ढला तो सांये की सूरत बदल गई। इक उम्र तक मैं उसकी जरूरत बना रहा, फिर यूँ हुआ कि उसकी जरूरत बदल गई।'

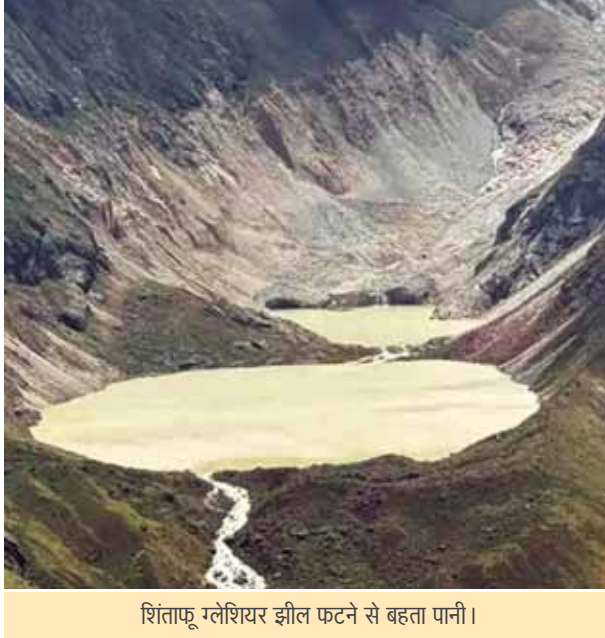
यह शेर निजी रिशतों की कहानी कहता है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय राजनीति पर भी उतना ही लागू होता है। देशों के बीच भरोसा टूटता है तो केवल रिश्ते नहीं बदलते, गठबंधन कमजोर होते हैं और नई विश्व व्यवस्था जन्म लेने लगती है।

सवाल यह नहीं कि अमेरिका ताकतवर बना रहेगा या नहीं; सवाल यह है कि क्या वह अपनी ताकत के साथ अपनी साख भी बचा पाएगा?

अर्नब तूफान का असर झेला... अब भूटान से आ रहा बड़ा खतरा, 10 हजार लोग शिफ्ट

ग्लेशियर झील फटी, दक्षिण के बाद बंगाल और असम में आफत का अलर्ट

» पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग, अलीपुरद्वार, जलपाईगुड़ी के साथ असम के धुबरी में बाढ़ का खतरा



शिंताफू ग्लेशियर झील फटने से बहता पानी।

शिवराज सिंह चौहान की मां काशीबाई का निधन

भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की दूसरी मां काशीबाई का शुक्रवार सुबह भोपाल एम्स में उपचार के दौरान निधन हो गया। वे पिछले एक सप्ताह से एम्स में भर्ती थीं। हालत गंभीर होने पर उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गया था। परिजनों के मुताबिक स्वर्गीय काशीबाई का अंतिम संस्कार आज दोपहर बाद 3 बजे उनके पैतृक गांव जैत जिला सीहोर में किया जाएगा। शिवराज सिंह चौहान की पहली मां का नाम सुंदरबाई था। उनके निधन के बाद उनके पिता प्रेम सिंह चौहान ने काशीबाई से दूसरी शादी की थी। श्री चौहान ने अपने सभी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम निरस्त कर दिए हैं।



6 राज्यों में एसआईआर की समय सीमा बढ़ी दिल्ली में फाइनल लिस्ट अब 22 दिसंबर को नई दिल्ली, एजेंसी

चुनाव आयोग ने 6 राज्यों में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का शेड्यूल बदल दिया है। आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में मतदाताओं को नाम जुड़वाने, कटवाने या किसी गड़बड़ी पर दावा-आपत्ति दर्ज कराने के लिए अतिरिक्त समय दिया है। वहीं, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, तेलंगाना और नागालैंड में नोटिस के निपटारे की समय सीमा बढ़ाई गई है। नए शेड्यूल के मुताबिक, महाराष्ट्र समेत 5 राज्यों में फाइनल वोटर लिस्ट 30 नवंबर को और दिल्ली में 22 दिसंबर को जारी होगी। यह बदलाव सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बाद हुआ है, जिसमें छूटे हुए मतदाताओं को दावा-आपत्ति का पर्याप्त मौका देने और प्रक्रिया में जल्दबाजी न करने पर जोर दिया गया था। कोर्ट ने 28 अक्टूबर को चुनाव आयोग से पूछा था कि जिन राज्यों में अभी चुनाव नहीं हैं, फिर इतनी जल्दबाजी क्यों।

फिर जंग की आहट

अमेरिका के 10 सैन्य विमान इजराइल में उतरे, ईरान पर फिर हमले की तैयारी! वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी सैन्य मौजूदगी बढ़ा दी है। पिछले एक हफ्ते में उसके 10 से ज्यादा सैन्य मालवाहक विमान दक्षिणी इजराइल के एयरबेस पर उतरे हैं। इसी बीच राष्ट्रपति ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में अमेरिकी सेना के पश्चिम एशिया कमांडर एडमिरल ब्रैंड कूपर से मुलाकात की। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, कूपर ने ईरान पर संभावित सैन्य हमले के विकल्पों की जानकारी दी। बैठक में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे।



अमेरिकी चुनाव के बाद हमले की योजना: अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमले करने की योजना बना रहे हैं। इसमें ईरान के ऊर्जा ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों व ड्रोन के भंडार को निशाना बनाया जा सकता है।

अब व्यापारियों का इंडिया ब्लॉक नेताओं को पत्र, कहा-महारैली रोको

नई दिल्ली। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने आज वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी को पत्र लिखकर 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित विपक्ष की विशाल रैली को स्थगित करने का अनुरोध किया है। व्यापारी संगठन ने दावा किया है कि इस रैली के कारण राष्ट्रीय राजधानी के 20 प्रमुख बाजारों में 10 हजार करोड़ से 12 हजार करोड़ का व्यापार प्रभावित हो सकता है। उधर, फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेडर्स एसोसिएशन खारी बावली की किराना कमेटी दिल्ली ने आइएनडीआईए गठबंधन के अखिलेश यादव व ममता बनर्जी को भी पत्र लिखकर रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को दीपावली के बाद तक टालने की मांग की है। सीटीआई के अनुसार राहुल गांधी द्वारा प्रस्तावित यह रैली ऐसे समय में हो रही है जब बाजार दिवाली की खरीदारी के चरम पर हैं।



कांग्रेस की सड़क पर संसद... ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पब्लिक महाभियोग

इंडिया ब्लॉक द्वारा आज दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मॉक संसद आयोजित की जा रही है। इसमें राहुल गांधी समेत विपक्षी नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पब्लिक महाभियोग कार्यक्रम चलाएंगे। इस कार्यक्रम में पूर्व लोकसभा स्पीकर मीरा कुमार अध्यक्षता करेंगी। खड़गे महाभियोग प्रस्ताव पेश करेंगे, जबकि राहुल गांधी प्रस्ताव पारित होने से पहले समापन भाषण देंगे।

आज का कार्टून



चौथा टी-20: इंडिया ने गेंदबाजी चुनी, वैभव और भुवी बाहर, ईशान की वापसी

ऑकलैंड, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच चौथा टी-20 मुकाबला आज ऑकलैंड में खेला जा रहा। इंडिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी है। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी और भुवनेश्वर कुमार यह मैच नहीं खेल रहे हैं। जबकि, ईशान किशन और मयंक यादव को प्लेइंग-11 में मौका मिला है। ईशान पिछले 2 मैच चोट की वजह से नहीं खेले सके थे। उनकी जगह खेलने वाले वैभव ने उन्हाई मैच में 19 गेंद में 45 रन बनाए थे।

दिल दहला देने वाला हादसा

पूजा के लिए बालकनी से फूल तोड़ते हुए 23वीं मंजिल से गिरकर पिता-पुत्र की मौत ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

यहां महागुन मायवुड्स सोसाइटी में सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। सोसाइटी के टॉवर-23 की 23वीं मंजिल से गिरकर एक बाप-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय पिता रणदीप पात्रा और उनके 11 वर्षीय बेटे आरव के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी ने बताया कि परिवार को सुबह जल्दी खाटू श्याम मंदिर जाना था। इसी वजह से रणदीप अपने बेटे के साथ पूजा के लिए फूल तोड़ने बालकनी

दिल दहला देने वाला हादसा

पूजा के लिए बालकनी से फूल तोड़ते हुए 23वीं मंजिल से गिरकर पिता-पुत्र की मौत ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

यहां महागुन मायवुड्स सोसाइटी में सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। सोसाइटी के टॉवर-23 की 23वीं मंजिल से गिरकर एक बाप-बेटे की मौत हो गई। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय पिता रणदीप पात्रा और उनके 11 वर्षीय बेटे आरव के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, हादसे के बाद दोनों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी ने बताया कि परिवार को सुबह जल्दी खाटू श्याम मंदिर जाना था। इसी वजह से रणदीप अपने बेटे के साथ पूजा के लिए फूल तोड़ने बालकनी



में गए थे। बालकनी बारिश की वजह से गीली थी और सीढ़ी से फिसलने के कारण यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि गीली जगह पर बेटे का पैर फिसल गया और वह बालकनी से लटक गया। बेटे को बचाने की कोशिश में पिता भी संतुलन खो बैठे और दोनों नीचे गिर गए।

भानपुर ओवरब्रिज की जर्जर सड़क से हादसों का खतरा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी के भानपुर ओवरब्रिज पर सड़क की बदहाल स्थिति से वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह बने गड्ढे और उखड़ी सतह ने आवागमन को मुश्किल बना दिया है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा लगाना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में खासतौर पर दोपहिया वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है।

गड्ढों से बचने के लिए वाहन चालक अचानक दिशा बदलते हैं, जिससे पीछे से आने वाले वाहनों के

टकराने की आशंका बनी रहती है। बारिश के मौसम में इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को बेहद सावधानी बरतनी पड़ रही है। सड़क की खराब हालत से यातायात प्रभावित होने के साथ ही लोगों की सुरक्षा पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय स्तर पर संबंधित विभाग को सड़क की मरम्मत के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए, ताकि आवागमन सुरक्षित और सुगम हो सके। यह परेशानी गुरुवार को हुई बारिश के बाद और भी बढ़ गई है। लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों की मानें तो कई बार इसके लिए विभागीय जिम्मेदारों से बात की। शिकायतें की, लेकिन मामला जस का तस ही है।



ब्रिज के ऊपर की सड़क की ऐसी हालत हो गई है कि जरा सी बारिश में गड्ढों में पानी भर जाता है। इससे दो पहिया वाहन सवारों को दूर से ये गड्ढे नजर नहीं आते। नतीजा, रफ्तार में दौड़ रहे वाहन जैसे ही गड्ढों के नजदीक पहुंचते हैं, दो पहिया वाहन चालकों का संतुलन बिगड़ता है और वे गड़दे में गिर जाते हैं।



न्यूज विडिो

भोपाल फोटो फेयर में कैमरों और उपकरणों पर मिलेंगे खास ऑफर

भोपाल। फोटोग्राफी और वीडियो निर्माण के शौकीनों के लिए 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को मानस भवन में भोपाल फोटो फेयर 2026 होगा। शोभा स्टूडियो की ओर से पॉलीटेक्निक चौराहे के पास आयोजित मेले में कैमरों और फोटोग्राफी उपकरणों की प्रदर्शनी के साथ विशेष छूट मिलेगी। पुराने कैमरे के बदले नया कैमरा लेने की सुविधा भी रहेगी। लाइट, गिम्बल, माइक और ट्राइपॉड उपलब्ध होंगे। निर्कॉन व कैनन कैमरों की मुफ्त सर्विस तथा फोटोग्राफी की फ्री वर्कशॉप भी होंगी। विशेषज्ञों से नई तकनीक सीखने का अवसर मिलेगा। मेला सुबह 11 से शाम 6 बजे तक चलेगा। प्रवेश मुफ्त है। विशेष जानकारी 9827388808 पर ली जा सकती है।

दाबे से खाना खाकर लौट रहे केमिकल फैक्ट्री के मैनेजर को वाहन ने रौंदा

भोपाल। परवर्तिया सड़क थाना क्षेत्र के एयरपोर्ट रोड पर दाबे से पैदल लौट रहे केमिकल फैक्ट्री के मैनेजर को देर रात अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल मैनेजर की अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। शांति नगर निवासी अजय राठौर (32) एक केमिकल फैक्ट्री में मैनेजर थे। बुधवार देर रात वह अपने चचेरे भाई के साथ घर के पास स्थित दाबे पर खाना खाने गए थे। वहां से वे पैदल ही चल दिए, रात दो बजे कंकाली दाबे के पास अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

अरेरा हिल्स में महिला को ऑनलाइन धमकी दे 4.64 लाख की धोखाधड़ी भोपाल। अरेरा हिल्स थाना क्षेत्र के मालवीय नगर इलाके में रहने वाली महिला के साथ 4 लाख 64 हजार 645 की ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। थाना अरेरा हिल्स पुलिस के मुताबिक, हैप्पी होम अपार्टमेंट मालवीय नगर निवासी लता वनवारी (62) ने 28 अक्टूबर को पुलिस से शिकायत की है कि उनके साथ 4,64,645 रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी हुई है। किसी अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन धमकी देकर उन्हें धोखे में लिया और उनकी रकम हड़प ली। मामला दर्ज करने के बाद अब पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रकम किस माध्यम से ट्रान्सफर हुई और इस धोखाधड़ी में किन लोगों की भूमिका है।

ई-नगरपालिका 2.0 में मर्ज किए जाएंगे 5 लाख संपत्तियों के खाते, इसलिए शटडाउन कल से निगम का सर्वर दो दिन बंद, न टैक्स जमा होंगे और न ही ऑनलाइन लेन-देन

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नगर निगम का सर्वर शनिवार-रविवार को पूरी तरह बंद रहेगा। इससे जुड़े सभी ऑनलाइन काम अब सोमवार के बाद ही होंगे। ऐसे में प्रॉपर्टी टैक्स से जुड़े कामकाज के अलावा, लेन-देन, टेंडर और ई-फाइलिंग जैसे काम भी नहीं होंगे। इस शटडाउन के दौरान निगम में दर्ज शहर की साढ़े पांच लाख संपत्तियों के खाते ई-नगर पालिका 2.0 में मर्ज किए जाएंगे। इसको लेकर गुरुवार को निगम अधिकारी-कर्मचारियों को नगरीय प्रशासन की टीम ने ट्रेनिंग दी। ताकि डेटा ट्रान्सफर के दौरान समस्या न हो। दरअसल वर्षों से निगम अपने सॉफ्टवेयर पर ही काम कर रहा था। संपत्तिकर के खातों से लेकर भुगतान,

आज रात से ही सॉफ्टवेयर की शिफ्टिंग

आज रात से ही सॉफ्टवेयर की शिफ्टिंग शुरू हो जाएगी। शहरभर में रेजिडेंशियल और कॉमर्शियल प्रॉपर्टी खातों की संख्या करीब साढ़े 5 लाख है। इसी तरह ढाई लाख से अधिक जलकर खाते हैं। यह सभी सेप साफ्टवेयर से ऑपरेट होते हैं। अब इन्हें ई-नगर पालिका 2.0 में मर्ज किया जा रहा है। अलग-अलग वार्डों में डबल खाते की सबसे समस्या है। ज्यादातर ने संपत्तिकर के डबल खाते खत्म करने के लिए आवेदन दिए हुए हैं। लेकिन फाइलें बनने के बाद भी डबल खाते खत्म नहीं हो रहे। अब ऐसी समस्याएं भी दूर हो जाएंगी।

कर्मचारियों का वेतन, सिविल वर्क जैसे कामों की फाइलें भी सेप साफ्टवेयर से अपलोड हो रही थीं। इसमें सबसे ज्यादा गड़बड़ी के मामले संपत्तिकर के खातों में आ रहे थे। किसी प्रॉपर्टी के खाते में टैक्स कम करना हो तो आसानी से वार्ड स्तर पर ही कर्मचारी यह काम कर लेते थे। इसके अलावा हाल ही में वार्ड 33 में 14

लाख रुपए के टैक्स का गबन भी इसी साफ्टवेयर से हुआ। वार्ड के दो कर्मचारियों ने रसीदें देकर लाखों रुपए ले लिए, पर ऑनलाइन टैक्स कम नहीं हुआ। इसलिए अब मध्यप्रदेश सरकार के सॉफ्टवेयर ई-नगर पालिका 2.0 से ही सब कुछ संचालित होगा।

निशातपुरा पुलिस ने 292 इंजेक्शन भी बरामद किए उप्र से लाकर शहर में खपा रहा था नशे का इंजेक्शन, युवक पकड़ाया

भोपाल। दोपहर मेट्रो

उत्तर प्रदेश के उई से नशे के इंजेक्शन की खेप मंगवाकर भोपाल में खपाने का मामला सामने आया है। निशातपुरा पुलिस ने नशे के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले दो तरह के 292 इंजेक्शनों के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पृष्ठताछ में आरोपी ने पिछले पांच-छह महीने से इस कारोबार में शामिल होने और इंजेक्शन बेचकर 50 प्रतिशत तक मुनाफा कमाने की बात बताई है। वह एक अन्य साथी की मदद से इंजेक्शन मंगवाता था। अब पुलिस यह पता लगा रही है कि इस कारोबार में उसके साथ कौन-कौन लोग जुड़े हैं और इंजेक्शन किसे बेचे जाते थे। पुलिस आयुक्त संजय कुमार सिंह के निदेश पर नशे के अवैध कारोबार में

मुखबिरी सूचना पर कार्रवाई

28 अक्टूबर को मुखबिर से सूचना मिली कि द्वारका नगर निवासी प्रेम शर्मा भानपुर रोड पर नशे के इंजेक्शन देने आने वाला है। पुलिस ने सी-साइट रेस्टोरेंट के पास से उसे पकड़ा। उसके पास से 146 व्यूप्रेनॉर्फिन हाइड्रोक्लोराइड और 146 फेनिरामाइन मैलेट के इंजेक्शन बरामद किए गए। वह इसे उत्तरप्रदेश से लाया था।

शामिल लोगों के खिलाफ 27 अक्टूबर से 10 नवंबर तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज पटवा के नेतृत्व में निशातपुरा पुलिस की टीम नशे की गतिविधियों पर नजर रख रही थी।

मेट्रो एंकर

खुशीलाल आयुर्वेद अस्पताल में दवाओं का टोटा, एसेंशियल ड्रग लिस्ट की आधी दवाएं ही मिल रहीं, मरीज बाजार से खरीद रहे

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पंडित खुशीलाल शर्मा आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल में दवाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है। भारत सरकार की निर्धारित एसेंशियल ड्रग लिस्ट (आवश्यक दवाओं की सूची) के मुताबिक अस्पताल में 150 दवाएं उपलब्ध होनी चाहिए, लेकिन इनमें से केवल 80 ही मिल रही हैं। ऐसे में मरीजों को एक-दो दवाएं अस्पताल से मिलने के बाद बाकी दवाएं बाजार से खरीदनी पड़ रही हैं। दवाओं की उपलब्धता नहीं होने से उपचार के दौरान मरीजों पर अतिरिक्त खर्च का बोझ पड़ रहा है।



पंचकर्म के तेल से लेकर त्रिफला तक की कमी

अस्पताल के पंचकर्म, शल्य क्रिया, अगद तंत्र, संहिता सिद्धांत, काय चिकित्सा, शरीर रचना, क्रिया शरीर, द्रव्य गुण और रस शास्त्र सहित विभिन्न विभागों में दवाओं की कमी बताई जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार त्रिफला व अश्वगंधा जैसे चूर्ण की उपलब्धता भी

बाजार से खरीदा पड़ रहा महंगा

अस्पताल में इलाज के लिए पहुंचे मरीजों का कहना है कि अस्पताल में एक या दो दवाएं ही मिल पा रही हैं। बाकी दवाइयां बाहर की दुकानों से ही खरीदनी पड़ रही हैं। इससे अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ रहा है। परिजनों का कहना है कि अस्पताल में जो दवा 50-100 रुपए में मिल जाती थी। अब इसके लिए बाहर से ब्रांडेड कंपनियों की दवा के लिए 200 से 250 रुपए तक खर्च करना पड़ रहा है। नीलबड़ से इलाज कराने आई आरती सेन ने बताया कि पति रिवशा चलाते हैं, इतनी आय भी

नहीं है कि हर दवा बाजार से खरीद सकूँ। यदि जल्द ही अस्पताल में दवाइयां उपलब्ध नहीं कराई गईं तो इलाज बीच में ही छोड़ना पड़ेगा। आरती को गाठिया की बीमारी है। वे पिछले 6 माह से इलाज करवा रही हैं। अस्पताल अधीक्षक हरिप्रकाश शर्मा का कहना है कि मरीजों के लिए दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अस्पताल ने सरकार को मांग भेज दी है। जल्द ही दवाइयां उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

मजदूरों को पेमेंट नहीं हुई तो कैसे मनाएंगे दिवाली

ठेकेदारों का कहना है कि निर्माण सामग्री खरीदनी पड़ती है, मजदूरों व सप्लायर्स का भुगतान करना पड़ता है। बिल भुगतान समय पर नहीं मिलने पर कार्यशील पूंजी फंस जाती है। बावजूद नए कामों के लिए टेंडर जारी होते रहते हैं। दिवाली जैसा सबसे प्रमुख पर्व नजदीक होने के कारण ठेकेदारों पर दबाव और बढ़ गया है। उन्हें मजदूरों, निर्माण सामग्री के सप्लायर्स और उनसे जुड़े हुए दूसरे लोगों के भुगतान चुकाने हैं। भोपाल नगर निगम कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन के अध्यक्ष जयदेव सिंह चौहान ने कहा कि यदि दिवाली से पहले भुगतान नहीं हुआ तो उनके मजदूरों की दिवाली फीकी हो जाएगी। ऐसे में सभी चल रहे काम रोक देंगे।

अब निगम के सामने बंद गई दोहरी चुनौती

निगम के सामने एक तरफ ठेकेदारों का 150 करोड़ रुपए से ज्यादा बकाया चुकाने की चुनौती है। दूसरी तरफ शहर में 250-300 विकास कार्यों को जारी रखने का दबाव है। भुगतान नहीं हुआ तो असर केवल ठेकेदारों की आर्थिक स्थिति पर नहीं, बल्कि सड़क, नाली के कारण शहर परेशान होगा। बता दें, निगम में ठेकेदारों के भुगतान का संकट नया नहीं है। अक्टूबर 2021 में 250 करोड़ का भुगतान भी अटका था।

पिछले साल जारी किए थे 960 लाइसेंस

8 दिन बाद दिवाली, अब तक पटाखा दुकानों की जगह ही तय नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दीपावली के त्योहार में अब महज 8 दिन बचे हैं, लेकिन जिला प्रशासन अस्थायी पटाखा दुकानों की जगह और क्षमता को लेकर अब तक अंतिम निर्णय नहीं ले पाया है। इससे त्योहार के सीजन में व्यवस्थाओं व तैयारियों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस, भोपाल नगर निगम (बीएमसी), राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियों के अधिकारियों की बैठक होने के बाद भी पटाखा बिक्री की व्यवस्था और सुरक्षा उपायों पर चर्चा तो हुई, पर अंतिम स्थान नहीं तय किए जा सके।

शहर में हाल ही में हुई आगजनी की घटनाओं को देखते हुए प्रशासन पिछले साल इस्तेमाल की गई जगहों की समीक्षा कर रहा है। जरूरत और सुरक्षा के लिहाज से वैकल्पिक स्थान भी तय किए जा सकते हैं। स्थान तय होने के बाद ही नगर निगम उनका लेआउट तैयार करेगा। बता दें, पिछले साल 960 अस्थायी पटाखा लाइसेंस जारी किए गए थे। इस बार स्वीकृत स्थानों और प्राप्त आवेदनों के आधार पर लाइसेंस दिए जाएंगे। रिटेल विक्रेताओं को तय ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा, जिसमें अधिकतम 50 किलो पटाखे स्टोर करने की अनुमति होगी। हालांकि, आवेदन की अंतिम तिथि की घोषणा अभी बाकी है।



हलालपुरा थोक पटाखा बाजार का शिफ्टिंग पेंडिंग

पटाखों का अधिकांश थोक व्यापार बैरागढ़ से चलता है। वहीं, हलालपुरा थोक पटाखा बाजार को स्थानांतरित करने का प्रस्तावित मामला हाईकोर्ट में लंबित है। एसडीएम कोर्ट ने सुरक्षा कारणों से 15 दुकानों को खतरा घोषित किया है।

सुरक्षा की होगी जांच

अब राजस्व, पुलिस और नगर निगम अधिकारियों की संयुक्त टीमें दुकानों का निरीक्षण करेंगी ताकि सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराया जा सके। इतना ही नहीं, दुकानें घनी आबादी वाले क्षेत्रों, बिजली लाइनों व ट्रान्सफॉर्मर से दूर होंगी और उनके बीच पर्याप्त दूरी रखी जाएगी। हर स्टॉल पर अग्निशामक यंत्र, पानी और रेत की उपलब्धता अनिवार्य होगी। फायर टेंडर और पैदल यात्रियों के लिए रास्ते सुगम रखे जाएंगे।

हर स्टेशन पर लगाई 2-2 टिकट वेंडिंग मशीन

आज से मेट्रो स्टेशन पर 30 सेकंड में खुद ही मशीन से लीजिए टिकट

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मेट्रो स्टेशनों पर आज से यात्रियों को टिकट के लिए लाइन में नहीं लगना पड़ेगा। वे स्टेशन पर जाएंगे और वहां लगी टिकट वेंडिंग मशीन के जरिए टिकट ले सकेंगे। मेट्रो कॉर्पोरेशन का दावा है कि यात्रियों को सिर्फ 30 मिनट की प्रोसेस करने के बाद टिकट मिल जाएगा। इस प्रक्रिया में यात्री लाइन में नहीं लग सकेंगे। यह टिकट वेंडिंग मशीन ठीक वैसी है, जो रानी कमलापति या अन्य रेलवे स्टेशनों पर लगी है। शुरुआत में मेट्रो कर्मचारी मशीन के पास खड़े रहेंगे। ताकि, यात्रियों को कोई दिक्कत न हो। मशीन में दृष्टिबाधितों की सुविधा के लिए ब्रेल लिपि भी है।

अभी सिर्फ 6 स्टेशन के बीच ही दौड़ रही मेट्रो

मेट्रो में अभी यात्रियों की संख्या कम है, जबकि रोजाना खूब लाखों रुपए हो रहा है। भोपाल में ऑरेंज लाइन के प्रायोरिटी कॉरिडोर में सुभाष नगर से एम्स के बीच मेट्रो चल रही है। जिसमें कुल 6 स्टेशन-सुभाषनगर, एम्स, डीबी मॉल, एमपी नगर, रानी कमलापति, डीआरएफ ऑफिस, अलकापुरी और एम्स है। ऑरेंज लाइन के सेकंड फेस-सुभाषनगर से करोंद तक काम चल रहा है।

भोपाल एम्स में मेडिकल सप्लाई पर सवाल

14 रुपये की द्यूब 943 में खरीदी, दरें 6500% तक ज्यादा, जिम्मेदार मौन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सुप्रीम कोर्ट निजी अस्पतालों में दवाओं और मेडिकल सामग्री की कीमतों तथा मरीजों को अस्पताल से ही दवाएं खरीदने के लिए बाध्य किए जाने से जुड़े सवालों पर सुनवाई कर चुका है। इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से भी विचार करने को कहा गया है। दूसरी ओर, केंद्र सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन आने वाले एम्स भोपाल की आंतरिक रिपोर्ट में ही अमृत फार्मसी से सरकारी सप्लाई की दरों और संस्थान के अन्य अनुबंधित रेट के बीच बड़ा अंतर सामने आया है। तुलनात्मक रिपोर्ट में 200 सेंटीमीटर हार्ड प्रेशर एक्सटेंशन ट्यूब का उदाहरण सबसे बड़ा अंतर दिखाता है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी एक अन्य अनुबंधित दर 14.27 रुपये थी, जबकि अमृत फार्मसी की सप्लाई दर 943.49 रुपये दर्ज की गई। दोनों दरों में 929.22 रुपये का अंतर है। इस आधार पर अमृत की सप्लाई दर तुलनात्मक दर से करीब 66 गुना और लगभग 6512 प्रतिशत अधिक थी। रिपोर्ट में टेरलिप्रेसिन इंजेक्शन, जेटामाइसिन इंजेक्शन, एसाइक्लोविर, आयरन सुक्रोज और सर्जरी में इस्तेमाल होने वाली मेडिकल सामग्री सहित कई अन्य आइटम की दरों में भी बड़ा अंतर सामने आया।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, दवाओं और मेडिकल सामग्री की कीमतों को लेकर शिकायतें सामने आने के बाद एम्स भोपाल के तत्कालीन निदेशक प्रो. डॉ. अजय सिंह के निर्देश पर तुलनात्मक जांच की प्रक्रिया शुरू हुई। 15 अप्रैल 2025 को समिति गठित की गई और 31 मई 2025 की रिपोर्ट में अमृत की सप्लाई दरों की तुलना एम्स के अन्य सप्लायरों के रेट कॉन्ट्रैक्ट से की गई। रिपोर्ट में कई आइटम की दरों में बड़ा अंतर सामने आने के बाद सवाल उठा कि क्या अधिक दरों पर हुई खरीद की वित्तीय समीक्षा की गई और क्या संबंधित सप्लायर या अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई।



वस्तु का विवरण	रेट कॉन्ट्रैक्ट की दर (रुपए)	अमृत फार्मसी दर (रुपए)	राशि में अंतर (रुपए)	अंतर (%)
हार्ड प्रेशर एक्सटेंशन ट्यूब, 200 सेंमी	14.27	943.49	6512%	
टैलिप्रेसिन इंजेक्शन	22.33	649.56	627.23	2809%
जेटामाइसिन इंजेक्शन	3.63	64.87	61.24	1687%
एसाइक्लोविर	19.76	327.60	307.84	1558%
मेथरजिन	14.00	201.60	187.60	1340%
नियोस्टिगमीन मिथाइल सल्फेट इंजेक्शन	4.26	44.02	39.76	933%
आयरन सुक्रोज	14.49	144.14	129.65	895%
शिशु फीडिंग ट्यूब, 5 Fr	5.95	49.80	43.85	737%
थायमिन HCl (विटामिन B12), 10 mg/ml इंजेक्शन	4.75	36.69	31.94	672%
फॉस्फोमाइसिन सोडियम इंजेक्शन	347.20	2,555.28	2,208.08	636%
सोफोपराजोन इंजेक्शन	21.27	150.70	129.43	609%
पाइरोरासिलिन + टैजीबैक्टम, 1.125 ग्राम	21.28	150.70	129.42	608%
थोरसिक ड्रेनेज कैथेटर, FG-16	64.18	445.53	381.35	594%
थोरसिक ड्रेनेज कैथेटर, FG-20	64.18	445.53	381.35	594%
थोरसिक ड्रेनेज कैथेटर, FG-20	64.18	445.53	381.35	594%
रोब्यूरोनियम इंजेक्शन	157.51	1,048.32	890.81	566%
डेक्समैथेडोमिडिन 100 mcg/ml, w/ml इंजेक्शन	117.60	760.03	642.43	546%
डेक्समैथेडोमिडिन 200 mcg	117.60	760.03	642.43	546%
वैसोप्रैसिन	29.40	189.00	159.60	543%
ऑक्ट्रियोटाइड	26.88	171.99	145.11	540%

145 करोड़ से बजट 245 करोड़ पहुंचा

भोपाल एम्स की की स्थायी वत समिति (एसएफसी) की बैठक में खरीदी के बजट के अचानक बढ़ने को नोटिस किया गया, लेकिन उसके कारणों पर कोई जांच नहीं की। जनवरी 2026 को आयोजित स्थायी वित्त समिति की बैठक में नोटिस किया गया कि भोपाल एम्स का खरीदी का बजट वर्ष 2022-23 में 145 करोड़ रुपए था, जो 2024-25 में अचानक बढ़कर 245 करोड़ रुपए पहुंच गया है। समिति ने भोपाल एम्स के अधिकारियों को खर्च को कम करने की सलाह दी। वहीं, रिपोर्ट में भी चिंता जताई गई कि अधिक दरों पर दवाओं और मेडिकल सामग्री की खरीद से आयुष्मान भारत योजना के निर्धारित पैकेज पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ सकता है। बीपीएल मरीजों को मुफ्त दवाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित बजट पर भी असर पड़ने की आशंका जताई गई थी।



फीस निर्धारण में भी पारदर्शिता पर जोर

वर्तमान में प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति बैंक के माध्यम से किए गए भुगतानों और खर्चों के आधार पर कॉलेजों के पाठ्यक्रमों की फीस निर्धारित करती है। अब उच्च शिक्षा विभाग ने इसी व्यवस्था को आगे बढ़ाते हुए वेतन भुगतान में कैशलेस प्रणाली अनिवार्य करने पर जोर दिया है।

अब किसी भी फीस का भुगतान ऑफलाइन नहीं होगा। अक्सर निजी महाविद्यालय स्टाफ को वेतन ऑफलाइन देते हैं, जिसमें फर्जीवाड़ा की संभावना रहती है। इस कारण कैशलेस प्रणाली अपनवाई गई है। प्रबल सिपाहा, आयुक्त, उच्च शिक्षा

अनुमोदन पत्र की प्रतियां भी अपलोड करनी होंगी। यदि कोई कॉलेज नियमों का पालन नहीं करता या पोर्टल पर गलत जानकारी देता है, तो मामले की गंभीरता के आधार पर उस पर अधिकतम पांच लाख रुपये तक का अर्थदंड लगाया जा सकता है।

डिजिटल-ट्रेनिंग में विधायकों से ज्यादा उनके सहायक पहुंचे

2 दिन में 59 विधायक, 89 निज सहायक शामिल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा को पूरी तरह पेपरलेस बनाने के लिए आयोजित नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन की तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला के दो दिन पूरे हो गए हैं। शुरुआती दो दिनों में 200 विधायकों के लक्ष्य के मुकाबले 59 विधायक खुद प्रशिक्षण लेने पहुंचे, जबकि 89 विधायकों के निज सहायक प्रशिक्षण में शामिल हुए।

इस तरह कुल 148 विधायकों का प्रतिनिधित्व प्रशिक्षण में दर्ज हुआ है। अब 52 विधायकों के बराबर प्रतिनिधित्व का आंकड़ा बाकी है। कार्यशाला का अंतिम दिन 30 अक्टूबर को है। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की पहल पर



आयोजित इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विधायकों को डिजिटल माध्यम से सदन की कार्यवाही में भागीदारी के लिए तैयार करना है। हालांकि, शुरुआती दो दिनों के आंकड़ों में खुद प्रशिक्षण लेने वाले विधायकों की संख्या कुल लक्ष्य की तुलना में 29.5% है, जबकि निज

सहायकों की उपस्थिति 44.5% के बराबर है। पहले दिन 28 अक्टूबर को 38 विधायक खुद प्रशिक्षण लेने पहुंचे, जबकि 60 निज सहायकों ने उपस्थिति दर्ज कराई। दूसरे दिन 29 अक्टूबर को 21 विधायक और 29 निज सहायक प्रशिक्षण में शामिल हुए।

दूसरे दिन 21 विधायक पहुंचे

29 अक्टूबर को प्रशिक्षण लेने वाले विधायकों में घनश्याम सिंह, ओमप्रकाश धुवे, अनुभा मुंजारे, योगेन्द्र सिंह बाबा, विश्वनाथ सिंह, चौधरी सुजीत मेर सिंह, भगवानदास सबनानी, सुदेश राय, हजारीलाल डांगी, मनोज नारायण सिंह चौधरी, आशीष गोविंद शर्मा, मंजू राजेंद्र दादू, डॉ. हीरालाल अलावा, मधु भाऊ भगत, सोहनलाल बाल्मीक, निलेश पूसाराम उइके, कुंवर अभिजीत शाह, प्रेमशंकर कुंजीलाल वर्मा, विजयपाल सिंह, ठाकुरदास नागवंशी और डॉ. रामकिशोर दोगने शामिल रहे।



भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नई दिल्ली एयरपोर्ट पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल से सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आगामी सिंहस्थ-2028 के सफल आयोजन के दुर्घिगत केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल से विभागीय सहयोग के लिये आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री श्री पाटिल ने सिंहस्थ के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वच्छता तथा जल प्रबंधन की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने में केंद्र की ओर से पूर्ण सहयोग के लिये आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उज्जैन में आगामी 2028 में होने वाले सिंहस्थ को भव्य और दिव्य बनाने में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का हरसंभव सहयोग करेंगे।

युवाओं के साथ जन सुरक्षा का संवाद, 60 हजार से अधिक कॉलेज विद्यार्थी जुड़े

भोपाल। युवाओं को संविधान और कानून की जानकारी देने, साइबर अपराधों के प्रति सतर्क बनाने तथा नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद आयोजित किया जा रहा है। प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में चल रही इन गतिविधियों से अब तक 60 हजार से अधिक छात्र-छात्राएं जुड़ चुके हैं। मध्यप्रदेश पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग शाखा, द्वारा उच्च शिक्षा विभाग के साथ समन्वय से संचालित इस पहल का उद्देश्य युवाओं को केवल कानून और सुरक्षा संबंधी जानकारी देना नहीं, बल्कि उन्हें जागरूक, सजग, संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने के लिए प्रेरित करना है।

जिलों में भी दिखेगी प्रदेश की उपलब्धियों की झलक

स्थापना दिवस के अवसर पर सभी जिला मुख्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें जिले के गौरवशाली व्यक्तियों, उत्कृष्ट कार्य करने वालों और उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वालों पर केंद्रित गतिविधियां होंगी। साथ ही स्थानीय उत्पादों का प्रदर्शन और जिले की उपलब्धियों से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिला कलेक्टर प्रभारी मंत्री से परामर्श कर जिला स्तरीय कार्यक्रमों को अंतिम रूप देंगे।



और जिला कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं।

राजधानी में आयोजित मुख्य समारोह में मंचीय कार्यक्रमों के साथ सुगम संगीत की प्रस्तुति होगी। इसके लिए प्रतिष्ठित कलाकारों को आमंत्रित किया जाएगा। समारोह को भव्य और आकर्षक बनाने के लिए विशेष व्यवस्थाएं की जाएंगी।

सभी जिलों में होंगे आयोजन, सरकारी भवन रोशनी से जगमगाएंगे

तीन दिन मनेगा मध्यप्रदेश का स्थापना दिवस लाल परेड मैदान में भव्य समारोह-आतिशबाजी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस इस बार तीन दिवसीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा। राजधानी भोपाल के लाल परेड मैदान में एक नवंबर को मुख्य समारोह आयोजित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अवधारणा के अनुरूप एक से तीन नवंबर तक प्रदेशभर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों और विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा को प्रदर्शित किया जाएगा। समारोह का समापन भव्य आतिशबाजी के साथ होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने आयोजन को लेकर सभी संभागायुक्तों

भिंड के गौरी सरोवर का होगा सौंदर्यीकरण, वाराणसी की तर्ज पर तैयार होंगे भव्य घाट

भिंड। शहर के गौरी सरोवर के सौंदर्यीकरण और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नया ने विकास कार्यों की तैयारी की है। सरोवर पर चंद्र की तिवारिया और शनिदेव मंदिर के पास यूपी के वाराणसी की तर्ज पर भव्य घाटों का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही सरोवर में मिलने वाले नालों के गंदे पानी को रोकने के लिए रिटर्निंगवाल और नालों का निर्माण किया जाएगा। इस कार्य पर करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं और इसकी टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। नगर पालिका अधिकारियों के अनुसार, दीपावली के बाद इन कार्यों को शुरू कराने की तैयारी है। वहीं, गौरी सरोवर के दूसरी तरफ सड़क निर्माण की योजना भी बनाई गई है।

मेट्रो एंकर

मुफ्त रजिस्ट्री योजना में फंसा पेंच, 50 लाख परिवारों को मिलना है मालिकाना हक

अब पंचायतों की एनओसी के बिना नहीं होगा काम!

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आबादी की सरकारी भूमि पर काबिज ग्रामीणों को मालिकाना हक दिलाने के लिए शुरू की गई मुफ्त रजिस्ट्री योजना में नया पेंच सामने आया है। अब रजिस्ट्री से पहले ग्राम पंचायतों से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) या बकाया नहीं होने का प्रमाण पत्र लेने की मांग उठी है। पंचायत राज संचालनालय ने इस संबंध में आयुक्त भू-संसाधन एवं प्रबंधन को पत्र लिखकर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा है। यदि इस मांग पर अमल होता है तो रजिस्ट्री की प्रक्रिया में नई शर्त जुड़ सकती है। हालांकि, अभी पंचायतों की एनओसी अनिवार्य करने का कोई अंतिम निर्णय सामने नहीं आया है।

मध्यप्रदेश राज्य पंचायत परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सिंह सेनार ने स्वाभिमूल्य योजना के तहत आबादी भूमि की



रजिस्ट्री से पहले ग्राम पंचायतों से एनओसी लेना अनिवार्य करने की मांग की है। उनका तर्क है कि इससे पंचायतों की आमदनी बढ़ेगी और आय के नए स्रोत विकसित होंगे। परिषद की मांग के आधार पर पंचायत राज संचालनालय के संचालक छोट्टे सिंह ने आयुक्त भू-संसाधन एवं प्रबंधन को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया है कि स्वाभिमूल्य

योजना से संबंधित काम राजस्व विभाग के स्तर पर किया जा रहा है, इसलिए इस मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री को भी अखिल भारतीय पंचायत परिषद की ओर से इस संबंध में पत्र दिया गया है। परिषद चाहती है कि रजिस्ट्री से पहले यह सुनिश्चित किया

जाए कि संबंधित हितग्राही पर संपत्ति कर बकाया नहीं है। आवास योजना से जुड़े ऋण की स्थिति भी जांची जाए। इसके साथ ही रजिस्ट्री वाली भूमि सार्वजनिक उपयोग की न हो और उस पर अवैध कब्जा नहीं हो। परिषद का मानना है कि इस व्यवस्था से पंचायतों को बकाया वसूली में मदद मिलेगी। प्रदेश में 17 सितंबर से

स्वाभिमूल्य अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना शुरू की गई थी। इसके तहत आबादी भूमि पर काबिज ग्रामीणों को संपत्ति का कानूनी अधिकार दिलाने के लिए निःशुल्क रजिस्ट्री की जा रही है। शुरुआत में पटवारियों को निष्पादक बनाने के फैसले पर कानूनी विवाद खड़ा हो गया था।

जनवरी-फरवरी में होगी जनसंख्या की गणना

बैठक में बताया गया कि मध्यप्रदेश में जनगणना 2027 के दूसरे चरण में जनवरी-फरवरी 2027 तक जनसंख्या की गणना की जाएगी। मुख्य सचिव ने स्कूल शिक्षा विभाग को इसी समय-सारणी को ध्यान में रखकर वर्ष 2027 की परीक्षाओं की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। सभी विभागों को जनगणना के लिए जरूरी मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करने और आपसी समन्वय से काम करने को कहा गया है। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि जनगणना का काम पूरा होने तक प्रशासनिक सीमाओं में कोई बदलाव नहीं किया जाए। साथ ही जनवरी से मार्च 2027 के दौरान यथासंभव तबादले नहीं करने की व्यवस्था बनाई जाए, ताकि प्रशिक्षित कर्मचारियों और अधिकारियों की उपलब्धता बनी रहे।

लोकतंत्र में सवाल सत्ता की जवाबदेही तय करते हैं, लेकिन जब सवालों की बुनियाद ही झूठ पर टिकी हो, तो वे जनहित का औजार नहीं, जनविश्वास को चोट पहुंचाने का माध्यम बन जाते हैं। हाल ही में एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी का फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ। पहली नजर में वास्तविक दिखने वाली इस सामग्री को विपक्ष के कुछ नेताओं ने भी साझा किया। यह घटना केवल राजनीतिक जल्दबाजी नहीं, बल्कि उस दौर की गंभीर चुनौती है, जिसमें सच और झूठ के बीच का अंतर तकनीक के कारण धुंधला होता जा रहा है। सरकार से सवाल पूछना विपक्ष का

लोकातांत्रिक धर्म है। चीन की गतिविधियों, सीमा सुरक्षा, सैन्य तैयारियों और सैनिकों को मिलने वाली सुविधाओं पर सवाल उठने ही चाहिए। सत्ता के दावों की पड़ताल लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। मगर सरकार की आलोचना और अपुष्ट सामग्री को प्रमाण बनाकर पेश करना अलग-अलग बातें हैं। पहली जवाबदेही सुनिश्चित करती है, दूसरी समाज को भ्रमित कर सकती है। राजनीतिक विरोध की आग में तथ्यात्मक विवेक की आहुति देना किसी जिम्मेदार दल के लिए उचित नहीं हो सकता।

सेना पर सियासत

डीपफेक तकनीक ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। अब किसी अधिकारी के चेहरे और आवाज का इस्तेमाल करके ऐसा बयान गढ़ा जा सकता है, जिसका वास्तविकता से कोई संबंध न हो। सैन्य मामलों में ऐसी सामग्री सेना की प्रतिष्ठा, सैनिकों के मनोबल और देश की सामरिक विश्वसनीयता को प्रभावित कर सकती है। विदेशी दुष्प्रचार से जुड़ी सामग्री को यदि देश के भीतर प्रभावशाली राजनीतिक मंचों का सहारा मिल जाए, तो उसका प्रसार और प्रभाव दोनों बढ़ सकते हैं। हालांकि, किसी फर्जी वीडियो के प्रसार मात्र से उसके पीछे

पाकिस्तान या किसी खुफिया एजेंसी का हाथ मान लेना भी उचित नहीं। प्रमाण और निष्पक्ष जांच आवश्यक हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तथ्य-जांच जितनी जरूरी है, आरोपों में संयम भी उतना ही अनिवार्य है। राजनीतिक दलों को सैन्य मामलों से जुड़ी सामग्री साझा करने से पहले उसके मूल स्रोत और प्रामाणिकता की जांच करनी चाहिए। गलती सामने आने पर उसे स्वीकार करना और सार्वजनिक सुधार करना राजनीतिक कमजोरी नहीं, नैतिक साहस है। सेना किसी दल की जागीर नहीं, राष्ट्र के भरोसे का प्रतीक है। उस पर सवाल हो सकते हैं, लेकिन सवालों का आधार तथ्य होने चाहिए।

मनुस्मृति ही क्यों, बाकी ग्रंथों पर आखिर सवाल क्यों नहीं उठाए जाते ?

दिनेश मालवीय
साहित्यकार



तैसे तो राजनीतिक विमर्शों पर टिप्पणी करना मुझे समय की बर्बादी लगता है, क्योंकि इनमें इतनी गिरावट आ गई है कि वे टिप्पणी के लायक ही नहीं लगते। बहरहाल, कभी-कभी कोई बात मन को इतना कचोट जाती है कि कुछ कहे बिन रहना अपने कर्तव्य से विमुख होना लगता है। कुछ राजनीतिक लोग अपने सार्वजनिक विमर्शों में ‘मनुस्मृति’ की घनघोर आलोचना कर रहे हैं। कल पुणे में एक बड़े नेता ने इस पुस्तक के एक श्लोक के संदर्भ में बताया कि वह स्त्री विरोधी है और स्त्रियों को दासता में रखने का पक्ष लेता है। इसे सही या गलत सिद्ध करने के लिए अनेक तर्क दिए जाते रहे हैं, दिए जा रहे हैं और दिए जाते रहेंगे। लेकिन मैं कुछ अलग बात करना चाहता हूं।

कुछ सवाल करना चाहता हूं। मैं यह पूछना चाहता हूं कि क्या संसार के किसी भी ग्रंथ में किसी संदर्भ विशेष में कुछ ऐसी बातें नहीं कही गई हैं, जो स्पष्ट रूप से स्त्रीत्व के लिए अपमानजनक हैं? जहां तक मैंने पढ़ा-समझा है, ऐसा दावा कोई भी धर्म नहीं कर सकता। बहरहाल, यह भी तथ्य है कि कोई बात किसी संदर्भ में कही गई हो, लेकिन उसे नासमझ या शरारती लोगों ने सामान्य बनाकर पेश कर दिया हो। इस संदर्भ में किसी भी धर्म का नाम लेने का कोई अर्थ नहीं है। सभी की स्थिति कमोबेश एक जैसी है। किसी धर्म का ग्रंथ कहता है कि स्त्री सारे पापों का मूल है, तो कोई कहता है कि स्त्री में आत्मा ही नहीं होती। कोई इसे बुद्धिहीन मानता है। कोई धर्म स्त्री को मोक्ष का अधिकार नहीं देता, तो किसी महापुरुष ने स्त्रियों को दीक्षा के योग्य ही नहीं माना। कोई उसे अपने धर्मस्थलों में जाने की इजाजत नहीं देता, तो कोई अपने धर्मस्थलों में उनके लिए अलग सेक्शन रखता है। आज खुद को विकसित कहने वाले देशों में भी स्त्रियों को वोट डालने का अधिकार बहुत बाद में दिया गया। वहां भी डायन कहकर स्त्रियों को जलाए जाने के वीभत्स प्रसंग मिलते हैं। बड़े-बड़े कवि भी स्त्री-निंदा में पीछे नहीं रहे। यहां भी किसी का नाम लेना उचित नहीं लगता। लेकिन इन कवियों में वे भी शामिल हैं, जिन्हें खुद को बहुत प्रगतिशील कहने वाले लोग बहुत बड़ा आदर्श मानते हैं।

प्रश्न यह है कि सिर्फ किसी एक ऐसे ग्रंथ को टारगेट करने का उद्देश्य क्या है, जिसकी देश में संविधान लागू होने के बाद कोई प्रासंगिकता नहीं रह गई है? उसमें जो व्यवस्थाएं दी गई थीं, वे उस समय के अनुरूप उचित रही होंगी, लेकिन आज उनका पालन कौन कर रहा है? यदि इस तरह की आलोचना करनी हो, तो सभी ग्रंथों और पुस्तकों की कीजिए। सिर्फ एक पुस्तक को टारगेट करना

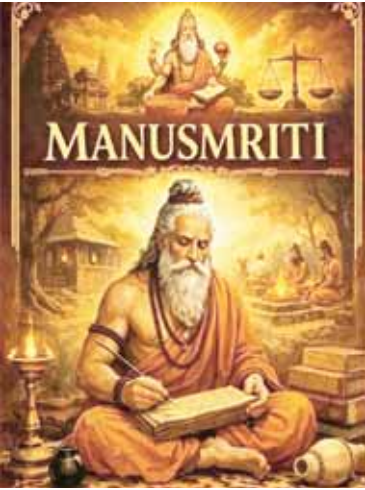
आलोचक की मंशा पर सवाल खड़े करता है। विवेकशील विद्वानों का कहना है कि किसी भी विषय या घटना पर टिप्पणी करने से पहले चार बातों पर विचार किया जाना चाहिए- देश, काल, परिस्थिति और प्रकरण। कोई बात किस जगह कही गई, जब कही गई तब समय किस प्रकार का था, परिस्थितियां क्या थीं और उस बात को कहने का संदर्भ क्या था। लेकिन हो यह रहा है कि किसी एक श्लोक या चौपाई या कविता पर इन चारों तथ्यों पर विचार किए बिना, सिर्फ राजनीतिक लाभ लेने के लिए कुछ भी कह दिया जाता है। यह विवेकहीनता है।

और अगर उपरोक्त ग्रंथ पर नकारात्मक टिप्पणी किसी अन्य समुदाय को खुश करने के लिए की जा रही है, तो यह भारतीय समाज के प्रति समझ की कमी है। हमारे देश में हर समाज और समुदाय में अधिकांश लोग इस तरह की बातों को पसंद नहीं करते, खुश होने की तो बात ही छोड़िए। बहरहाल, हर समुदाय में ऐसे कुछ लोग हमेशा से रहे हैं और रहेंगे, जिन्हें ये बातें अच्छी लगती हैं, लेकिन व्यापक समाज को सामने रखकर विचार किया जाना चाहिए।

यदि आपके पास देश और समाज के लिए भविष्य की कोई योजना है, तो उसे देश के सामने रखिए। अप्रासंगिक होती जा रही

बातों को दोहराने की कोई सार्थकता नहीं है। हर समाज और समुदाय के अधिकांश लोग अपने जीवन के संघर्षों में लगे हैं। बच्चों की परवरिश करनी है, उन्हें पढ़ाना है, उन्हें एक अच्छा और खुशहाल जीवन जीने योग्य बनाना है। उन्हें उन फालतू बातों से कुछ लेना-देना नहीं है, जिन्हें आप इतना महत्व दे रहे हैं। यह स्पष्ट बात दिखाई क्यों नहीं दे रही है कि भारतीय समाज सदियों पुरानी सोच से तेजी से बाहर आ रहा है। हर समुदाय के लोग अपनी बेटियों को अपनी हैसियत से बाहर जाकर पढ़ा रहे हैं। लड़कियां हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज कर रही हैं। कृपया अपने दायित्व को समझिए। नई पीढ़ी के लोग वैसे भी अपने ग्रंथों को नहीं पढ़ रहे। ऐसी निराधार बातें करके क्या आप उनके मन में अपने धर्म, अपनी संस्कृति, अपने पूर्वजों के प्रति अनास्था पैदा करने का काम नहीं कर रहे हैं?

जब आप ‘मनुस्मृति’ के उक्त श्लोक के बारे में बता रहे हैं, उन्हें यह भी तो बताइए कि इसी ग्रंथ में यह भी कहा गया है कि (श्लोक 3.55), ‘जिस परिवार में स्त्रियां अपमान या दुःख के कारण दुखी रहती हैं, वह कुल नष्ट हो जाता है और जिस कुल में वे प्रसन्न रहती हैं, वह हमेशा प्रगति करता है।’ इसी पुस्तक में यह भी लिखा है कि जिस घर में स्त्रियों का सम्मान होता है, वहां देवता निवास करते हैं। इसी में यह भी लिखा है कि जिस घर के आंगन में बेटी की पायल नहीं झनकती, वह घर श्मशान के समान होता है।



हेल्थ अपडेट

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या को अक्सर खानपान और वजन से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन महिलाओं में भी यह हृदय की सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। परेशानी यह है कि खून में खराब कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल का स्तर बढ़ने पर आमतौर पर कोई स्पष्ट लक्षण दिखाई नहीं देते। कई महिलाओं को इसका पता तब चलता है, जब नियमित जांच कराई जाती है या हृदय संबंधी परेशानी सामने आती है। लंबे समय तक एलडीएल बढ़ा रहने से धमनियों में वसा जमा हो सकती है, जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ता है।

आंखों के आसपास पीले निशान दिखें तो कराएं जांच

आंखों की पलकों के आसपास पीले रंग के चपटे या मुलायम जमाव दिखाई देना कोलेस्ट्रॉल से जुड़ा संकेत हो सकता है। इसे चिकित्सकीय भाषा में जैथेलाज्मा कहते हैं। इसी तरह कोहनी,



घुटनों, हाथों या एड़ियों के पास पीली गांठें बनने पर भी डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। ये गांठें कुछ मामलों में शरीर में वसा की

अधिकता या आनुवंशिक रूप से बड़े कोलेस्ट्रॉल से जुड़ी हो सकती हैं। हालांकि, हर पीला निशान या गांठ हाई कोलेस्ट्रॉल का संकेत नहीं होती। इसकी पुष्टि जांच से ही हो सकती है। सांस फूलना, असामान्य थकान और छाती में दबाव केवल हाई कोलेस्ट्रॉल के लक्षण नहीं हैं। लेकिन ये हृदय तक रक्त पहुंचने में परेशानी या हृदय रोग के संकेत हो सकते हैं। महिलाओं में हार्ट अटैक के दौरान सांस लेने में परेशानी, ठंडा पसीना, मतली, पीठ या जबड़े में दर्द और असामान्य थकान भी हो सकती है। ऐसे लक्षण अचानक शुरू हों या छाती में दबाव के साथ दिखाई दें, तो तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें।

मेनोपॉज के बाद बढ़ सकता है जोखिम

मेनोपॉज के आसपास महिलाओं के कोलेस्ट्रॉल स्तर और हृदय संबंधी जोखिमों में बदलाव आ सकता है। इसलिए इस उम्र में

नियमित स्वास्थ्य जांच और रक्तचाप, रक्त शर्करा तथा कोलेस्ट्रॉल की निगरानी महत्वपूर्ण है। मधुमेह, धूम्रपान, उच्च रक्तचाप, बढ़ा वजन और परिवार में कम उम्र में हृदय रोग का इतिहास जोखिम बढ़ा सकते हैं।

हाई कोलेस्ट्रॉल की पहचान केवल बाहरी लक्षण देखकर नहीं की जा सकती। इसके लिए लिपिड प्रोफाइल रक्त जांच कराई जाती है, जिसमें कुल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल, एचडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर पता चलता है। जांच कब और कितनी बार करानी चाहिए, यह उम्र, पारिवारिक इतिहास और दूसरे जोखिमों के आधार पर डॉक्टर तय कर सकते हैं। संतुलित भोजन, नियमित शारीरिक गतिविधि, धूम्रपान से दूरी रखना जरूरी है। जीवनशैली में बदलाव के बाद भी यदि शरीर में नकारात्मक बदलाव दिखने पर चिकित्सकीय उपचार से जोखिम कम किया जा सकता है।

निशाना

बात ये दिल्लगी सी लगती है...



धर्मराज देशराज

दर्द में जब कमी सी लगती है जिन्दगी, जिन्दगी सी लगती है। जब वो रूठी हुई सी लगती है इक घड़ी भी सदी सी लगती है। भर गये जख्म जब से सीने के जिन्दगी में कमी सी लगती है। उम्र गुजरी समझ नहीं पाया जिन्दगी अजनबी सी लगती है। जानते हैं हमें वो कहते हैं बात ये दिल्लगी सी लगती है। दुश्मनों की खुशी पे खुश होना ये खुशी खुदकुशी सी लगती है। ग़म मिले हैं ‘धरम’ मुझे लेकिन फिर भी मुझको कमी सी लगती है।

अजब-गजब

जहां मोटापा खूबसूरती का पैमाना तलाकशुदा महिलाओं का भी बाजार

दुनिया में खूबसूरती के पैमाने अलग-अलग हैं। कहीं छहरी काया को सुंदरता की पहचान माना जाता है, तो कहीं भरा-पूरा शरीर आकर्षण और संपन्नता का प्रतीक रहा है। पश्चिमी अफ्रीका के देश मॉरिटानिया में भी महिलाओं के शरीर और विवाह को लेकर कुछ ऐसी परंपराएं रही हैं, जो दुनिया के दूसरे हिस्सों के लोगों को हैरान कर सकती हैं। यहां तलाक को कई समुदायों में सामाजिक कलंक की तरह नहीं देखा जाता। राजधानी नुआकशोट में एक ऐसा बाजार भी है, जिसे अनौपचारिक रूप से तलाकशुदा महिलाओं का बाजार कहा जाता है।

मॉरिटानिया सहारा रेगिस्तान और अटलांटिक महासागर के बीच स्थित देश है। इसका बड़ा हिस्सा रेगिस्तानी है। राजधानी नुआकशोट देश का प्रमुख शहर है। यहां अरब-बर्बर और अफ्रीकी संस्कृतियों का मेल देखने को मिलता है। देश के कुछ पारंपरिक समुदायों में महिलाओं के भरे-पूरे शरीर को सुंदरता, परिवार की आर्थिक संपन्नता और अच्छे खानपान से जोड़कर देखा जाता रहा है। पहले यह धारणा थी कि मोटी महिला का अर्थ है कि उसका परिवार आर्थिक रूप से मजबूत है और उसे पर्याप्त भोजन मिलता है। इसी सोच के कारण कुछ समुदायों में लड़कियों का वजन बढ़ाने के लिए उन्हें जरूरत से ज्यादा भोजन खिलाने की प्रथा भी रही है। इसे स्थानीय स्तर पर ‘लेल्जूह’ कहा जाता है।

मॉरिटानिया की कुछ सामाजिक परंपराएं विवाह और तलाक को लेकर भी अलग हैं। यहां के कुछ समुदायों में तलाकशुदा महिलाओं को दोबारा विवाह करने में वैसी सामाजिक बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ता, जैसी कई दूसरे समाजों में देखने को मिलती हैं। कुछ महिलाओं के लिए तलाक नई शुरुआत का अवसर भी होता है। यहां की राजधानी नुआकशोट में ‘तलाकशुदा महिलाओं का बाजार’ नाम से चर्चित एक जगह का उल्लेख विदेशी रिपोर्टों में मिलता है। कुछ तलाकशुदा महिलाएं अपने पूर्व वैवाहिक घर से मिले फर्नीचर,



बर्तन, कालीन और घरेलू सामान बेचती हैं। यह जगह उनके लिए कारोबार करने, दूसरी महिलाओं से मिलने और एक-दूसरे का साथ देने का माध्यम भी बनती है। कुछ समुदायों में तलाक के बाद महिलाओं का सामाजिक जीवन समाप्त नहीं माना जाता। वे दोबारा शादी कर सकती हैं और अपना कारोबार भी चला सकती हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं कि हर महिला के लिए तलाक आसान है या सभी महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों से मुक्ति मिल जाती है। बच्चों की देखभाल, आजीविका और पारिवारिक जिम्मेदारियां उनके सामने बनी रह सकती हैं। मॉरिटानिया की यह सामाजिक तस्वीर बताती है कि सुंदरता और वैवाहिक जीवन को लेकर दुनिया के अलग-अलग समाजों में धारणाएं कितनी भिन्न हो सकती हैं।

फोल्ड होने वाली बड़ी स्क्रीन वाले स्मार्टफोन खरीदने का सपना देखने वाले ग्राहकों के लिए आने वाले समय में किफायती विकल्प मिल सकता है। सैमसंग अपनी फोल्डेबल फोन श्रृंखला में नए मॉडल जोड़ने की संभावनाओं पर काम कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, कंपनी गैलेक्सी फोल्ड 9 वाइड के दो संभावित संस्करणों की टेस्टिंग कर रही है। इनमें एक बड़ा मॉडल हो सकता है, जबकि दूसरा अपेक्षाकृत किफायती विकल्प के रूप में पेश किया जा सकता है। हालांकि, कंपनी ने अभी इनके नाम, कीमत और लॉन्च को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

एंड्रॉयड अर्थोपैट्री की रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरियाई टिफ्टर लैन्जुक ने दावा किया है कि सैमसंग दो अलग-अलग डिजाइन पर काम कर रहा है। इनमें संभावित रूप से गैलेक्सी फोल्ड 9 वाइड प्लस और गैलेक्सी फोल्ड 9 वाइड स्रक्ष जैसे नाम सामने आए हैं। ये नाम फिलहाल संभावित हैं, आधिकारिक नहीं। प्लस संस्करण में ज्यादा बड़ी स्क्रीन मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं, स्रक्ष संस्करण मौजूदा आकार के आसपास रह सकता है और इसकी कीमत कम रखने के लिए कुछ सुविधाओं या तकनीकी विशेषताओं में बदलाव किया जा सकता है। लेकिन अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कंपनी वास्तव में दोनों मॉडल बाजार में उतारेगी या

इनमें से किसी एक को ही चुनेगी। फोल्डेबल स्मार्टफोन की खासियत यह है कि इन्हें मोड़कर सामान्य फोन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है और खोलने पर बड़ी स्क्रीन मिलती है। इस कारण इनका इस्तेमाल वीडियो देखने, पढ़ने, एक साथ कई ऐप चलाने और कामकाज के लिए सुविधाजनक हो सकता है।

हालांकि, बड़ी स्क्रीन के साथ कीमत भी अक्सर ज्यादा होती है। यदि सैमसंग कम कीमत वाला स्रक्ष संस्करण पेश करता है, तो ज्यादा ग्राहकों के लिए इस तकनीक को अपनाना आसान हो सकता है। दूसरी ओर, बड़ी स्क्रीन वाला मॉडल उन लोगों को आकर्षित कर सकता है,

जिन्हें फोन में टेबलेट जैसी सुविधा चाहिए। फिलहाल यह जानकारी शुरुआती रिपोर्टों पर आधारित है। सैमसंग ने न तो इन मॉडलों की कीमत बताई है और न ही इनके प्रोसेसर, कैमरे, बैटरी, मजबूती या लॉन्च की तारीख की पुष्टि की है। इसलिए केवल संभावित फीचर्स के आधार पर खरीदारी का फैसला करना उचित नहीं होगा। यदि आप फोल्डेबल फोन खरीदने की योजना बना रहे हैं, तो आधिकारिक घोषणा और वास्तविक कीमत का इंतजार करें। इसके बाद स्क्रीन की गुणवत्ता, मोड़ने वाले हिस्से की मजबूती, सॉफ्टवेयर अपडेट, मरम्मत खर्च और बैटरी क्षमता की तुलना करें। कम कीमत वाला फोन तभी बेहतर सौदा होगा, जब उसकी जरूरी सुविधाओं और टिकाऊपन से समझौता न करना पड़े।



शासकीय सेवा से विदाई किसी व्यक्ति के अनुभवों का अंत नहीं होती। बल्कि यह उस अनुभव को नए उद्देश्यों के लिए उपयोग करने का अवसर देती है। श्री मनवानी के लगभग चार दशक के कार्यकाल में जनसंपर्क सेवा के विविध आयाम शामिल रहे हैं। उनके सहकर्मियों और विभाग के लिए यह अवसर उनके

योगदान को याद करने के साथ भविष्य के लिए शुभकामनाएं देने का भी है।

उनके व्यक्तित्व और आगामी जीवन के लिए कुछ पंक्तियां–

कर्तव्य की राह पर वर्षों का सफर रहा, अनुभवों से समृद्ध जीवन का यह अध्याय रहा। अब कलम को मिलेगा नए विचारों का विस्तार, सुजन की राह पर आगे बढ़े आपका संसार। श्री अशोक मनवानी को शासकीय सेवा पूर्ण करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। कामना है कि उनका आगामी जीवन स्वस्थ, सुखमय और साहित्यिक गतिविधियों से परिपूर्ण रहे। जनसंपर्क सेवा में अर्जित अनुभव उनकी लेखनी को नए विषय और दृष्टिकोण प्रदान करें।

महिपाल अजय
सहायक संचालक, जनसंपर्क

मध्यप्रदेश शासन के जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल में पदस्थ वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी एवं संयुक्त संचालक श्री अशोक मनवानी 30 अक्टूबर 2026 को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। वर्ष 1987 से शुरू हुई उनकी जनसंपर्क सेवा की यात्रा लगभग चार दशक की रही है। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जिलों के साथ जनसंपर्क संचालनालय और मुख्यमंत्री प्रेस प्रकोष्ठ में भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाईं। उनकी सेवानिवृत्ति जनसंपर्क विभाग में एक लंबे कार्यकाल की पूर्णता है। प्रशासनिक दायित्वों के साथ साहित्य और लेखन में उनकी रुचि उनके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष रही है। अब उन्हें अपनी इस रुचि को अधिक समय देने का अवसर मिलेगा।

शासन और मीडिया के बीच संवाद की जिम्मेदारी

मुख्यमंत्री के प्रेस अधिकारी के रूप में कार्य करते हुए श्री मनवानी ने शासन के निर्णयों, मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों और जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित सूचनाओं को मीडिया तक पहुंचाने का दायित्व निभाया। इस भूमिका में शासन और पत्रकारों के बीच संवाद तथा सूचनाओं के समन्वय का विशेष महत्व रहता है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में जनसंपर्क अधिकारी के रूप में कार्य करने के दौरान उन्हें स्थानीय प्रशासन, मीडिया और जनहित से जुड़े मुद्दों को करीब से समझने का अवसर मिला। बाद में जनसंपर्क संचालनालय में विभिन्न दायित्वों के निर्वहन ने उनके प्रशासनिक अनुभव को और व्यापक बनाया। जनसंपर्क सेवा में संवाद कौशल, समयबद्धता और तथ्यों की सही प्रस्तुति महत्वपूर्ण होती है। श्री मनवानी ने अपने कार्यकाल में इन जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। सहकर्मियों के साथ उनका सहज व्यवहार और संवाद की प्रवृत्ति भी उनकी कार्यशैली का हिस्सा रही।

प्रशासनिक कार्यों के साथ साहित्य से जुड़ाव

श्री अशोक मनवानी की रुचि केवल प्रशासनिक कामकाज



कूनों नेशनल पार्क से शिफ्ट किए जाएंगे दोनों चीते, सीएम डॉ. मोहन यादव ने 7 अक्टूबर को की थी घोषणा

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में दीपावली तक दो और अफ्रीकन चीतों की होगी आमद, चार होगा चीतों का कुनबा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (वीडीटीआर) के लिए एक और अच्छी खबर है। दीपावली तक यहां दो और अफ्रीकन चीतों को लाने की तैयारी जोरों पर है। इन दो नए मेहमानों के आने के बाद रिजर्व में चीतों की संख्या दो से बढ़कर चार हो जाएगी और चीतों का कुनबा और बड़ा हो जाएगा उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 7 अक्टूबर को वीडीटीआर की मोहली रेंज में कूनों नेशनल पार्क से लाए गए दो चीतों - नर थोलो और मादा सीसीबी- 3 को सॉफ्ट रिलीज बोमा में रिलीज किया था। इसी दौरान उन्होंने मंच से घोषणा की थी कि एक महीने के अंदर वीडीटीआर में दो और चीते शिफ्ट किए जाएंगे। अब वन विभाग ने इस दिशा में तैयारियां तेज कर दी हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों नए चीते भी कूनों नेशनल पार्क से ही लाए जाएंगे, जहां वर्तमान में चीतों की संख्या 30 से अधिक हो गई है।

439 हेक्टेयर के विशाल बोमा में रखा जाएगा

वीडीटीआर की मोहली रेंज में छोटी घास का विशाल प्राकृतिक मैदान है, जो चीतों के रहवास के लिए सबसे उपयुक्त माना जाता है। यहीं पर करीब 439 हेक्टेयर क्षेत्र में पांच अलग-अलग हिस्सों वाला अत्याधुनिक सॉफ्ट रिलीज बोमा बनाया गया है। वर्तमान में थोलो और सीसीबी- 3 इसी बोमा में विचरण कर रहे हैं। नए आने वाले दोनों चीतों को भी पहले इसी बोमा में रखा जाएगा, ताकि वे यहां के वातावरण के आदी हो सकें। हालांकि वीडीटीआर प्रबंधन ने अब तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि पहले से मौजूद दोनों चीतों को बोमा से निकालकर खुले जंगल में कब छोड़ा जाएगा।

चीतों की सुरक्षा और आवास की खास बातें

- सॉफ्ट रिलीज बोमा : चीतों को सीधे खुले जंगल में छोड़ने के बजाय करीब 439 हेक्टेयर के विशेष रूप से तैयार बोमा में रखा गया है। इसे पांच अलग-अलग हिस्सों में बनाया गया है।
- बाड़ों की ऊंचाई और तकनीक : सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक से लैस बाड़े बनाए गए हैं। सॉफ्ट रिलीज बाड़े की ऊंचाई करीब 14 फीट और क्वारेटीन बाड़े की ऊंचाई करीब 10 फीट रखी गई है।
- इलेक्ट्रिक फेंसिंग : बाड़ों के ऊपरी हिस्से और चारों तरफ 6 लेयर वाले इलेक्ट्रिक पल्स तार और पावर फेंसिंग लगाई गई है।
- 24 घंटे निगरानी : चीतों की ट्रैकिंग, स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए 24×7 निगरानी तंत्र, सीसीटीवी और पशु चिकित्सा दल तैनात है।



बाघों का कुनबा भी लगातार बढ़ रहा है

वीडीटीआर में केवल चीतों ही नहीं, बाघों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। बीते दिनों ही रिजर्व में एक मादा बाघ अपने 3 नए शावकों के साथ ट्रैप कैमरे में कैद हुई थी। इससे पहले तक रिजर्व में बाघों की संख्या 30 से 32 के बीच मानी जा रही थी, जो अब बढ़कर 34 से 35 तक पहुंच गई है। गौरतलब है कि क्षेत्रफल की दृष्टि से वीडीटीआर मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है और चीतों की बसाहट के बाद इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है

कूनों में अलग फील्ड डायरेक्टर, वीडीटीआर में व्यवस्था नहीं, 22 दिन से कोई अपडेट नहीं

पूरी जिम्मेदारी अलग फील्ड डायरेक्टर को सौंपी गई। वर्तमान में कूनों में उत्तम शर्मा फील्ड डायरेक्टर के रूप में चीता प्रोजेक्ट की कमान संभाल रहे हैं और हर दिन चीतों की अपडेट जारी की जाती है इसके उल्ट वीडीटीआर में चीतों के

लिए अलग से कोई अधिकारी या फील्ड डायरेक्टर तैनात नहीं किया गया है। मौजूदा टाइगर रिजर्व प्रबंधन के भरोसे ही चीता प्रोजेक्ट चल रहा है। यही कारण है कि 7 अक्टूबर को दो चीते लाए जाने के बाद पिछले 22 दिनों से

93 गांवों में से 40 का विस्थापन अब भी शेष, 150 करोड़ खर्च फिर भी काम अधूरा

वीडीटीआर की सबसे बड़ी चुनौती यहां बसे गांवों का विस्थापन है। रिजर्व के कोर और बफर क्षेत्र में कुल 93 गांव बसे हुए हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार इनमें से अब तक केवल 28 गांवों का ही पूर्ण विस्थापन हो पाया है। 25 गांवों में विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है, जबकि 40 गांवों में अभी तक प्रक्रिया शुरू ही नहीं हो पाई है। बताया जा रहा है कि पिछले डेढ़ दशक में विस्थापन के नाम पर वन विभाग 150 करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर चुका है, इसके बावजूद लक्ष्य पूरा नहीं हो सका है। ग्रामीणों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव और वन्यजीवों से संघर्ष का सामना करना पड़ रहा है।

वीडीटीआर प्रबंधन की ओर से चीतों की सेहत, उनकी गतिविधि, खान-पान और लोकेशन को लेकर कोई भी आधिकारिक प्रेस नोट या अपडेट जारी नहीं किया गया है। इससे वन्यजीव प्रेमियों और स्थानीय लोगों में निराशा है।

न्यूज विंडो

शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर धोखाधड़ी, कथित अवैध एडवाइजरी नेटवर्क पर कार्रवाई

सागर। थाना मोतीनगर पुलिस ने शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर आम नागरिकों को फोन लाभ दिलाने का झूठा आश्वासन देकर कथित रूप से धोखाधड़ी करने वाले तीन व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है। प्रारंभिक जांच में संबंधित एडवाइजरी कंपनी का भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (सेबी) में पंजीयन नहीं पाया गया। मिली जानकारी के अनुसार थाना मोतीनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी काकागंज स्थित वर्धमान कॉलोनी में किराए का मकान लेकर एक कथित अवैध शेयर मार्केट एडवाइजरी कार्यालय संचालित किया जा रहा है। यहां से बिना वैधानिक पंजीयन एवं अनुमति के आम नागरिकों को फोन कर शेयर बाजार में निवेश करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है तथा निवेश के नाम पर राशि प्राप्त कर अवैध लाभ कमाया जा रहा है। सूचना की तत्दीक एवं वैधानिक कार्रवाई के लिए पुलिस टीम द्वारा विधिवत तलाशी वारंट प्राप्त कर बताए गए स्थान पर तलाशी ली।

अनूपपुर जिले के चेक पोस्टों पर निजी लोगों की कथित अवैध वसूली!

अनूपपुर। जिले के विभिन्न चेक पोस्टों पर निजी व्यक्तियों द्वारा अवैध वसूली किए जाने का मामला गंभीर सवाल खड़े करता है। अनूपपुर जिले की सीमा, रामनगर चेक पोस्ट, अमाडांड और जैतहरी क्षेत्र के खुंटा टोला चेक पोस्ट पर निजी लोगों की गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि कुछ निजी व्यक्ति चेक पोस्टों पर आने-जाने वाले वाहनों से कथित रूप से पैसे वसूलते हैं। साथ ही, कुछ चेक पोस्ट कर्मचारियों के उनके साथ रहने की बात भी सामने आई है। निजी व्यक्तियों को किस अधिकार से चेक पोस्ट पर सक्रिय रहने दिया जा रहा है और क्या उन्हें किसी विभागीय अधिकारी की अनुमति प्राप्त है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि चेक पोस्टों पर वाहनों की जांच, दस्तावेजों के सत्यापन और निर्धारित शुल्क की वसूली का अधिकार किन कर्मचारियों को दिया गया है? निजी व्यक्ति बिना वैधानिक अधिकार के वाहन चालकों से पैसे ले रहा है।

राजस्थान सीमा पर सिंथेटिक दूध का काला कारोबार, फैक्ट्रियां सील मंदसौर। दोपहर मेट्रो

जिले के राजस्थान से लगे सीमावर्ती गांवों में सिंथेटिक (नकली) दूध का जानलेवा कारोबार तेजी से पैर पसार रहा है। इस खिलवाड़ को रोकने की असली जिम्मेदारी जिला प्रशासन और खाद्य एवं सुरक्षा विभाग की थी, लेकिन उनकी घोर सुस्ती के बीच पुलिस ने मोर्चा संभाला है। पुलिस ने पिछले छह महीनों में बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंथेटिक दूध की चार बड़ी फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ किया है। इन कार्रवाइयों में 50 हजार लीटर से अधिक नकली दूध तैयार करने की सामग्री जब्त की जा चुकी है। इसी कड़ी में डूंगरखेड़ी और खेजड़िया भूप मामले में फरार मुख्य आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। एसपी विनायक कुमार मीना के निर्देशन में शामगढ़ थाना प्रभारी कपिल सौराष्ट्रीय और उनकी टीम ने ग्राम डूंगरखेड़ी में एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया।

युवती की मौत के बाद शव रखकर धरना आरोपी की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े

दो घंटे तक मुख्य चौराहे पर प्रदर्शन, प्रशासन ने पांच दिन में कार्रवाई का दिया भरोसा

धारा। दोपहर मेट्रो

पर्यटन नगरी मांडू में 18 वर्षीय युवती की मौत के बाद गुरुवार को परिजनों ने मुख्य चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों ने चंदन सहित अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की। करीब दो घंटे तक चले धरने के दौरान परिजनों ने आरोपी को हिरासत में लेने तक अंतिम संस्कार नहीं करने की बात कही। प्रशासन ने पांच दिन में कार्रवाई का भरोसा दिया, जिसके बाद धरना समाप्त हुआ। जानकारी के अनुसार, ग्राम जामनिया के वार्ड क्रमांक 12 निवासी सोनाली पिता शिवराम की गुरुवार को एक निजी मिलने पर थाना प्रभारी इंदर सिंह रावत, उपनिरीक्षक भेरू सिंह देवड़ा सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा।



शुरू कर दिया। परिजनों ने आरोपी को गिरफ्तारी के साथ उसे फांसी की सजा देने की मांग भी की। सूचना मिलने पर थाना प्रभारी इंदर सिंह रावत, उपनिरीक्षक भेरू सिंह देवड़ा सहित पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

बाद में एसडीएम राजकुमार हलदार, नायब तहसीलदार आशीष राठौर और राहुल गायकवाड़ ने भी परिजनों से चर्चा की। अधिकारियों ने कार्रवाई का आश्वासन देकर धरना समाप्त करवाया।

संभाग जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका में उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर ने प्राप्त किया द्वितीय स्थान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा वैज्ञानिक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से विज्ञान नाटिका 2026 प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में संभाग जोन स्तरीय विज्ञान नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन प्रगत शैक्षिक संस्थान जबलपुर में किया गया। जोन स्तरीय प्रतियोगिता की मुख्य विषय-वस्तु ‘विज्ञान और समाज’ रही, जिसके अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इलेक्ट्रिक व्हीकल, अंतरतारकीय आवास एवं महासागरों की बहाली जैसे समसामयिक विषयों पर छात्र-छात्राओं ने प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुतियां दीं। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा के मार्गदर्शन एवं शासकीय उल्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर के प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव के नेतृत्व में नरसिंहपुर जिले के शासकीय उल्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर की टीम ने



कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर नाटिका का प्रस्तुतिकरण कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टीम में संस्कृति चौधरी, गरिमा ठाकुर, निहारिका यादव, सोनाक्षी कहार, साहिल नागवंशी , कार्तिक साहू एवं काव्य सोनी शामिल रहे। छात्र-छात्राओं की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. अनिल कुशवाहा , संस्था प्राचार्य राजीव किशोर श्रीवास्तव एवं टीम के मार्गदर्शी शिक्षक आर.एन.रावत सहित समस्त संस्था परिवार ने शुभकामना प्रदान की।

कपास-तुवर की आड़ में उगा रहे थे गांजा खेत से 43 लाख के 360 पौधे जब्त

धारा। दोपहर मेट्रो

जिले की गंधवानी पुलिस ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने ऑपरेशन ‘प्रहार’ के तहत ग्राम और तुवर की फसल के बीच अवैध रूप से उगाई जा रही गांजे की खेती का भंडाफोड़ किया है। मौके से 360 हरे पौधे जप्त किए गए हैं, जिनका कुल वजन 433.70 किलोग्राम और अनुमानित बाजार मूल्य करीब 743 लाख आंका गया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डवर् और एसडीओपी

मनावर प्रदीप वाल्टर के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में थाना प्रभारी गंधवानी निरीक्षक प्रदीप खन्ना के नेतृत्व में चौकी बोरदा में दबिश देकर कपास और तुवर की फसल के बीच अवैध रूप से उगाई जा रही गांजे की खेती का भंडाफोड़ किया है। मौके से 360 हरे पौधे जप्त किए गए हैं, जिनका कुल वजन 433.70 किलोग्राम और अनुमानित बाजार मूल्य करीब 743 लाख आंका गया है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सचिन शर्मा (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डवर् और एसडीओपी



निवासी ग्राम सिरोंज) के खेत पर अचानक दबिश दी। जांच के दौरान पाया गया कि आरोपी ने अपनी कपास और तुवर की मुख्य फसल के ठीक बीच में सुरक्षा के लिए गांजे के पौधे अवैध रूप से बो रखे थे।

मेट्रो एंकर

सागर रेंज आईजी इरशाद वली का दमोह दौरा: तेंदूखेड़ा, तेजगढ़ और तारादेही थानों का किया औचक निरीक्षण

व्यवस्थाओं को बेहतर बनाएं और कानून व्यवस्था बनाए रखें: आईजी

तेंदूखेड़ा/तेजगढ़। दोपहर मेट्रो

सागर जोन के पुलिस महानिरीक्षक इरशाद वली गुरुवार को दमोह जिले के दौरे पर रहे उन्होंने तेंदूखेड़ा पुलिस अनुविभाग के तीन थानों - तेजगढ़, तेंदूखेड़ा और तारादेही का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद वे सागर रवाना हो गए। गुरुवार दोपहर करीब 1 बजे आईजी इरशाद वली सबसे पहले तेजगढ़ थाना पहुंचे इसके बाद उन्होंने तेंदूखेड़ा और अंत में तारादेही थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजीत सिंह भदौरिया, तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह लोधी, तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी सरोज ठाकुर और तारादेही थाना प्रभारी आलोक तिरपुड़े सहित थाना स्टाफ मौजूद रहा तीनों थानों में पुलिस स्टाफ ने दृढ़ को सलामी दी।



पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश, परिसर की साफ-सफाई पर दिया जोर

दृढ़ वली ने तीनों थाना परिसरों में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने थाना परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने और अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने के निर्देश दिए। तेजगढ़ थाने में बने पुराने और कंडम हो चुके पुलिस क्वार्टरों को हटवाने और पुराने थाना परिसर में भी स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए।



मानचित्र से लेकर महिला हेल्प डेस्क तक का किया निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान आईजी ने थाना क्षेत्र के मानचित्र, रिकॉर्ड रूम, मालखाना, हवालात, महिला हेल्प डेस्क, छष्टअह्र और शिकायत पंजियों का बारीकी से निरीक्षण किया। लंबित अपराधों, शिकायतों और मार्ग की फाइलों की समीक्षा कर उनके त्वरित निराकरण और व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए।

कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए निर्देश

आईजी ने क्षेत्र में अपराधों की स्थिति की जानकारी लेते हुए अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने, असामाजिक तत्वों और आदतन अपराधियों पर निगरानी रखने, क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए उन्होंने संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने, नियमित गश्त बढ़ाने, फरार आरोपियों की धरपकड़ में तेजी लाने तथा लंबित मामलों के त्वरित निराकरण पर ध्यान देने को कहा। साथ ही आमजन की शिकायतों को गंभीरता से सुनने, उनका समय पर निराकरण करने, आम नागरिकों से शालीन व्यवहार रखने और पुलिस-जनता के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए।

किले और विसर्जन घाट का किया भ्रमण

तेजगढ़ थाना निरीक्षण के बाद दृढ़ वली ने तेजगढ़ के अति प्राचीन सिद्ध गणेश मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने मां विसर्जन घाट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा ऐतिहासिक राजा तेजी सिंह किले का भ्रमण कर उसकी स्थिति देखी। अंत में उन्होंने पुलिस स्टाफ को ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और तत्परता के साथ ड्यूटी करने एवं जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने की नसीहत दी। दृढ़ के इस दौरे से तेंदूखेड़ा अनुविभाग की पुलिस में नई ऊर्जा का संचार देखने को मिला

खेतों में पकी धान की फसल पर मंडराया बारिश का संकट, अन्नदाता चिंतित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती तूफान के प्रभाव से बुधवार को तेंदूखेड़ा सहित दमोह जिले में मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और दिनभर ठंडी हवाएं चलती रहीं। शाम होते-होते तेंदूखेड़ा मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम विभाग द्वारा शुक्रवार तक बारिश की संभावना जताए जाने से खेतों में पककर कटाई के लिए तैयार खड़ी धान की फसल को लेकर किसानों की चिंता बढ़ गई है।



न्यूज विंडो

तूफान अर्नब के चलते बदला मौसम का मिजाज, हल्की बारिश हुई



सागर। चक्रवाती तूफान अर्नब के चलते सागर और आसपास अंचल में मौसम का मिजाज बदल गया. नगर सहित आसपास के क्षेत्र दिनभर ठंडी हवाओं व रिमझिम वारिश के आगोश में रहे. कार्तिक माह में ही तेज टंड का एहसास होता रहा. बादलों के डेरे ने करवाचौथ व्रत में भी खलल डाला हालांकि देर शाम बादलों की ओट से चंद्रमा के दर्शन होने पर महिलाओं ने व्रत पूर्ण किया. पिछले दो दिनों से तीखी धूप से तप रहे शहर में गुरुवार को दिन के तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। महज 24 घंटे के भीतर अधिकतम तापमान 8.9 डिग्री लुट्क कर 23.9 डिग्री पर आ गया, जो सामान्य से 8 डिग्री सेल्सियस कम है। दिनभर आसमान में घने बादल छाए रहे और रुक-रुक कर 4.1 मिमी रिमझिम बारिश दर्ज की गई।

दिवाली के पहले कार्बाइड गन में प्रतिबंध को लेकर बड़ी कार्यावाही की, मारा छाप



जबलपुर। दिवाली के पहले ही सुरक्षा के चलते प्रशासन ने कार्बाइड गन के इस्तेमाल, बिक्री, वितरण और प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया है। दीपावली पर कार्बाइड गन के इस्तेमाल, बिक्री और प्रदर्शन पर प्रतिबंध के बावजूद शहर और ग्रामीण क्षेत्र में इनके निर्माण और आपूर्ति का मामला सामने आया है। कुंडम थाना पुलिस ने गुरुवार रात बघराजी गांव में दो स्थानों पर छपा मारकर 14 कार्बाइड गन, 11 किलो 500 ग्राम कैल्शियम कार्बाइड और गन बनाने की सामग्री जब्त की। आरोपियों से पूछताछ में मदन महल स्थित लाठिया ट्रेडर्स का नाम सामने आने पर पुलिस ने दुकान पर भी कार्रवाई की, जहां से 45 किलो कैल्शियम कार्बाइड बरामद किया गया। पुलिस ने मामले में धारा 188 के तहत सख्दुक्र दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मवेशी की तलाश में जंगल गए युवक पर बाघ ने किया हमला, हुई मौत

शहडोल। प्रदेश के शहडोल जिले के गोहपारु वन परिक्षेत्र की पटोरी बीट में बाघ के हमले से एक ग्रामीण की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार मृतक अपने लापता मवेशी की तलाश में जंगल की ओर गया था। यह भी बताया जा रहा है कि वनकर्मियों ने उसे क्षेत्र में बाघ की मौजूदगी की जानकारी देकर जंगल में जाने से मना किया था, लेकिन वह चेतावनी के बावजूद अंदर चला गया। घटना के बाद वन विभाग में हलचल मच गई है। विभाग ने सावधान रहने भी अलर्ट कर दिया है क्योंकि मौसम में बदलाव के चलते जंगली हिसक जानवरों के व्यवहार में भी परिवर्तन हो रहा है।

मेट्रो एंकर दीपावली की व्यवस्था: कटरा बाजार क्षेत्र में हाथठेले रहेंगे प्रतिबंधित, चिन्हित जगह पर प्लाट आवंटित किए जाएंगे

नेहरू स्कूल के सामने लगेगा दीया, मूर्ति , रंगोली बाजार

सागर। दोपहर मेट्रो

दीपावली पर्व पर कटरा बाजार में उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने और नागरिकों को आवागमन में परेशानी से बचाने के लिए नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री ने कटरा बाजार क्षेत्र का निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने बाजार में दुकानों के व्यवस्थित संचालन, पार्किंग व्यवस्था और सड़क पर व्यवसाय करने वाले व्यापारियों के लिए निर्धारित स्थान तय करने पर जोर दिया. निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने प. मोतीलाल नेहरू स्कूल के सामने व्यवस्थित रूप से दीया, मूर्ति , रंगोली आदि पूजन सामग्री का बाजार लगाने के निर्देश



दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि दीपावली पर्व पर नागरिकों के आवागमन की सुविधा हेतु कटरा बाजार क्षेत्र में हाथठेलों पर व्यवसाय प्रतिबंधित रहेगा। तीनबत्ती से फनूसा कुआं तक दोपहिया वाहनों की पार्किंग निर्धारित की जाएगी। वहीं, फल विक्रेताओं को

विजय टॉकीज मार्ग पर शिफ्ट किया जाएगा। फनूसा कुआं से कटरा मस्जिद तक सड़क पर केवल जमीन पर बैठकर दुकानें लगाने की व्यवस्था रहेगी। निगमायुक्त ने निर्देश दिए कि दुकानों एवं पार्किंग के लिए निर्धारित स्थानों की पहचान

सुनिश्चित करने के लिए सड़क पर पेंट से मार्किंग कराई जाए, ताकि व्यापारी निर्धारित सीमा में ही व्यवसाय करें और आवागमन के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध रहे। उन्होंने उपायुक्त एस.एस. बघेल एवं अतिक्रमण प्रभारी को कटरा बाजार क्षेत्र में सड़क पर व्यवसाय करने वाले सभी व्यापारियों की सूची तैयार कर उन्हें निर्धारित स्थान आवंटित करने की कार्रवाई करने के निर्देश दिए। चिन्हित जगह पर प्लाट आवंटित किए जाएंगे, हाथठेला पर रहेंगे पूर्णतः प्रतिबंधित- निगमायुक्त ने नगर निगम एवं यातायात पुलिस के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कटरा बाजार क्षेत्र में अनाउंसमेंट कर व्यापारियों को

निर्धारित व्यवस्था की जानकारी दी जाए और समझाइश दी जाए कि दीपावली पर्व के दौरान वे केवल जमीन पर बैठकर ही व्यवसाय करें। हाथठेला पर पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। चिन्हित जगह पर प्लाट आवंटित किए जाएंगे। सड़क पर टेबिल, परलांग अथवा अन्य सामग्री रखकर व्यवसाय करने की अनुमति नहीं होगी। निर्देशों का पालन नहीं करने पर संबंधित सामग्री जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि दीपावली पर्व पर बाजार में आने वाले नागरिकों को सुगम आवागमन और व्यवस्थित पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय से व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें।

कार्यालय, पुलिस अधीक्षक

पुलिस प्रशिक्षण शाला (एमटी) भोपाल, मध्यप्रदेश

क्र०/पुअ/पीटीएस/एमटी/ एमओडी/1077-सी/2026 दिनांक 27/10/2026

--: तिथि हेतु शुद्धिपत्र :-:

पुलिस महानिदेशक महोदय द्वारा अनुमोदित पुलिस मुख्यालय भोपाल एवं पीटीआरआई कार्यालय में स्थापित किर्लोस्कर कम्पनी के 05 जनवरी के रख-रखाव हेतु (एमएस) 01 वर्ष के लिए दर अनुबंध किये जाने हेतु कार्यालय पुलिस अधीक्षक, पी०टी०एस० (एमटी) भोपाल द्वारा ऑनलाइन Tender ID 2026_MPP_540821_1 निविदा आमंत्रित की गई थी, जिसकी निविदा जमा करने की अंतिम तिथि निम्नानुसार बढ़ाई जाती है :-

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन बेवसाइट <https://mptenders.gov.in/nicgep/app> पर जमा किये जाएंगे।

- निविदा शुल्क ऑनलाइन जमा करना अनिवार्य है।
- मध्यप्रदेश पुलिस की वेबसाइट www.mppolice.gov.in से निविदा प्रपत्र एवं विस्तृत जानकारी डाउनलोड की जा सकती है।
- समय सारणी :-

निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	03/11/2026 के 14:00 बजे
तकनीकी निविदा खोलने की दिनांक	05/11/2026 के 17:00 बजे

G-20686/26

पुलिस अधीक्षक
पीटीएस (एमटी), भोपाल (म.प्र)

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व से लगे दुधिया गांव में सुबह 5 बजे की घटना

सियार के जबड़े में थी छह माह की मासूम, मां ने मौत से लड़ बचाई जान

विशाल रजक। तेंदूखेड़ा

मां की ममता के आगे जंगल का खूंखार जानवर भी हार गया। वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व के सर्रा वन परिक्षेत्र से लगे दुधिया गांव में गुरुवार सुबह एक जंगली सियार 6 माह की मासूम बच्ची को जबड़े में दबाकर जंगल ले जा रहा था, लेकिन मां ने मौत को मात देकर अपनी बेटी को उसके जबड़े से छीन लिया। इस संघर्ष में मां और मासूम दोनों गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है।

खुला दरवाजा बना वजह

घटना गुरुवार सुबह 5 बजे की है। दुधिया निवासी सुनील परदी के परिवार के सभी लोग घर में सो रहे थे। परिवार का एक सदस्य निस्तार के लिए बाहर गया और दरवाजा खुला छोड़ दिया। इसी दौरान जंगल से भटका एक सियार घर के अंदर घुस आया। अंदर कमरे में सुनील की पत्नी सपना (29) अपनी 6 माह की बेटी प्रियंका के साथ सो रही थी। सियार ने सो रही मासूम पर झपट मारा और उसे मुंह में दबाकर बाहर भागने लगा। बच्ची की चीख सुनकर मां की नींद खुली तो देखा सियार उसकी बेटी को जबड़े में जकड़ चुका है।



बेटी को छुड़ाया तो मां पर टूट पड़ा सियार

मां ने एक पल भी नहीं गंवाया और अपनी जान की परवाह किए बिना सियार से भिड़ गई। वह सियार के मुंह से बेटी को खींचने लगी। काफी जद्दोजहद के बाद सियार ने बच्ची को छोड़ दिया, लेकिन गुर्रसे में उसने मां पर हमला कर दिया। उसने अपने नुकीले दांतों से सपना के हाथ, पैर और शरीर को कई जगह नोंच डाला। मां लहलुहान होने के बाद भी सियार से जूझती रही और जोर-जोर से शोर मचाती रही। शोर सुनकर पड़ोसी और ग्रामीण मौके पर पहुंचे, तब जाकर सियार जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई।

करवा चौथ पर पत्नी ने पहनाया पति को हेलमेट, सुरक्षित लौटने का लिया वादा

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

करवा चौथ पर पत्नी अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है, लेकिन उसकी सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनना भी उतना ही जरूरी है। इसी संदेश के साथ नर्मदापुरम यातायात पुलिस ने करवा चौथ पर अनूठी पहल करते हुए बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चला रहे दंपतियों को जागरूक किया। इस दौरान 10 वाहन चालकों को नि:शुल्क हेलमेट वितरित किए गए। उप पुलिस अधीक्षक यातायात संतोष मिश्रा ने यातायात पुलिस टीम के साथ इटारसी रोड पर अभियान चलाया। इस दौरान ऐसे दंपतियों को रोका गया, जिनमें पति बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चला रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाईश दी कि



जीवनसाथी की लंबी उम्र की कामना के साथ उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाना भी जरूरी है। सड़क दुर्घटना में सिर पर लगने वाली चोट जानलेवा हो सकती है, इसलिए दोपहिया वाहन चलाने समय हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। अभियान के दौरान पुलिस ने पत्नियों के हाथों उनके पतियों को हेलमेट पहनवाए।

करवा चौथ पर पत्नी ने नहीं रखा व्रत, तो पति पहुंचा थाने, मचा बवाल

शिवपुरी। प्रदेश के शिवपुरी जिले में अनूठा मामला सामने आया। यहां पर करवा चौथ पर पत्नी के व्रत नहीं रखने से नाराज एक पति पुलिस थाने पहुंच गया। जानकारी के अनुसार शिवपुरी जिले के बदरवास थाना क्षेत्र में पति ने अपनी पत्नी के खिलाफ शिकायती आवेदन देकर आरोप लगाया कि वह उसके लिए करवा चौथ का व्रत नहीं रख रही और चांद की पूजा भी नहीं कर रही। पति ने आवेदन में यहां तक कह दिया कि अगर पत्नी ने उसके लिए पूजा नहीं की तो वह उसे तलाक दे देगा। यह मामला अब चर्चा का विषय बना हुआ है।अब पुलिस की कोशिश है कि दोनों के बीच बातचीत कराकर विवाद को सुलझाया जा सके।

जागा नगर परिषद, तेज गति से शुरू हुआ खोदी गई सड़क बनाने का काम



तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वार्ड क्रमांक 9 में सड़क चौड़ीकरण के दौरान खोदी गई सड़क को लेकर खबर प्रकाशन के बाद नगर परिषद प्रशासन हरकत में आया है। प्रशासन ने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए खोदी गई सड़क किनारे साइड सोल्डर पर गिट्टी मसाला भराई का कार्य शुरू करा दिया है वार्ड 9 में मुख्य मार्ग से संदीपनी विद्यालय तक 12 फीट से 20 फीट किए जा रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य में 6 दिन से साइड पट्टी खुदी पड़ी होने से

रहवासियों को परेशानी हो रही थी, जिसकी खबर प्रकाशित की गई थी खबर के बाद मौके पर जेसीबी मशीन, ट्रैक्टर-ट्रॉली और मजदूरों को लगाकर काम तेज किया गया। इस दौरान नगर परिषद के उपयंत्री भूपेंद्र सिंह ठाकुर स्वयं मौके पर मौजूद रहे और उनकी निगरानी में ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य कराया जा रहा है हालांकि निर्माण कार्य के चलते दिनभर कई बार जाम की स्थिति बनी रही और लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा।

मेसी पर भारी पड़े रोनाल्डो!

सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की वोटिंग में क्रिस्टियानो अव्वल



लंदन। फुटबॉल की दुनिया में क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनल मेसी के बीच सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी की बहस एक बार फिर चर्चा में है। सर्वकालीन सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी से जुड़ी प्रशंसकों की वोटिंग में पुर्तगाल के दिग्गज क्रिस्टियानो रोनाल्डो का 2008 का शानदार प्रदर्शन पहले स्थान पर चुना गया, जबकि अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनल मेसी का 2012 का ऐतिहासिक प्रदर्शन दूसरे स्थान पर रहा। इस सूची में दोनों खिलाड़ियों का दबदबा देखने को मिला। शीर्ष 10 में रोनाल्डो के पांच और मेसी के पांच सीजन शामिल बताए गए हैं। हालांकि, यह सूची प्रशंसकों की पसंद पर आधारित है और इसे दोनों खिलाड़ियों के पूरे करियर की श्रेष्ठता का अंतिम फैसला नहीं माना जाना चाहिए।

रोनाल्डो ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के लिए 2007-08 के सत्र में असाधारण प्रदर्शन किया था। उनकी गोल करने की क्षमता और बड़े मुकाबलों में शानदार खेल की बदौलत क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग और यूरोपीय चैंपियंस लीग का खिताब जीता। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, रोनाल्डो ने उस सत्र में सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर 42 गोल किए और आठ गोलों में सहायता की। वह प्रीमियर लीग में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बने और चैंपियंस लीग में भी सबसे ज्यादा गोल किए। उन्होंने यूरोपियन गोल्डन शू का सम्मान भी अपने नाम किया। उनके व्यक्तिगत पुरस्कारों की सूची भी प्रभावशाली रही। रोनाल्डो को प्रीमियर लीग का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, खिलाड़ियों द्वारा चुना गया सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और वर्ष का सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर जैसे कई सम्मान मिले। क्लब और व्यक्तिगत स्तर पर मिली इन उपलब्धियों ने 2008 को उनके करियर का यादगार वर्ष बना दिया।

मेसी का 2012 वाला रिकॉर्डतोड़ साल दूसरे नंबर पर

मेसी के लिए 2012 भी ऐतिहासिक रहा। बार्सिलोना के इस दिग्गज खिलाड़ी ने उस कैलेंडर वर्ष में 91 गोल करने का रिकॉर्ड बनाया था। उनकी गोल करने की निरंतरता, तकनीक और मैदान पर रचनात्मकता ने उन्हें फुटबॉल इतिहास के महानतम खिलाड़ियों में शामिल किया। प्रशंसकों की इस सूची में मेसी का 2012 वाला प्रदर्शन दूसरे स्थान पर रहा। इसके अलावा, उनके 2023, 2015, 2011 और 2009 के सीजन भी शीर्ष 10 में शामिल बताए गए हैं।

शीर्ष 10 में सिर्फ रोनाल्डो और मेसी

बताई गई सूची में रोनाल्डो के 2008, 2017, 2016, 2014 और 2013 के सीजन शामिल हैं। वहीं मेसी के 2012, 2023, 2015, 2011 और 2009 के प्रदर्शन को जगह मिली है। इस तरह शीर्ष 10 में किसी तीसरे खिलाड़ी का प्रदर्शन शामिल नहीं होने की बात सामने आई है। मेसी के नाम सर्वाधिक आठ बैलन डी%और पुरस्कार हैं, जबकि रोनाल्डो ने पांच बार यह प्रतिष्ठित सम्मान जीता है। इसके बावजूद, इस विशेष प्रशंसक मतदान में रोनाल्डो के 2008 के प्रदर्शन को पहला स्थान मिलना उनके समर्थकों के लिए खास उपलब्धि है।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

लव गिल और स्काउट के विवाद में गौहर की एंट्री तौकीर की तारीफ, बोलीं- दोनों को नॉर्मल रहने दें

मुंबई। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ में लव गिल और स्काउट के रिश्ते को लेकर शुरू हुआ विवाद अब चर्चा का विषय बन गया है। हालिया ‘वीकेड का वार’ के बाद घर का माहौल तनावपूर्ण नजर आ रहा है। इस पूरे मामले में अब अभिनेत्री और बिग बॉस की पूर्व विजेता गौहर खान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लव गिल और स्काउट को सामान्य रहने और बेवजह की गलतफहमियों से दूर रहने की सलाह दी। साथ ही, उन्होंने घर में इस मुद्दे को समझदारी से संभालने के लिए काजी तौकीर को ज़मकर तारीफ की।

दरअसल, शो के हालिया एपिसोड में काशी ने स्काउट और लव गिल की नजदीकियों पर सवाल उठाए थे। इसके बाद घर में इस मुद्दे को लेकर चर्चा तेज हो गई। ऐसे माहौल में काजी



तौकीर ने दोनों की स्थिति को समझने और मामले को परिपक्वता से संभालने की कोशिश की। गौहर खान ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर साझा किए गए वीडियो में कहा कि लव और स्काउट को सबसे सही और तार्किक सलाह काजी ने दी। उनके मुताबिक, काशी की बात का अर्थ यह नहीं था कि दोनों आपस में बातचीत करना बंद कर दें, बल्कि उन्हें अपनी नजदीकियों और व्यवहार की सीमाओं को समझने की जरूरत थी।

गौहर खान ने बिग बॉस से अपील की कि काशी ने जो माफी मांगी है, वह लव गिल को भी दिखाई जाए। उन्होंने कहा कि काशी ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माना कि उसने पूरा आरोप लव पर डाल दिया था। गौहर के अनुसार, यह माफी देखने से लव को स्थिति समझने में मदद मिल सकती है और उनके मन में बनी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं।

‘लव और स्काउट को थोड़ा समय दें’

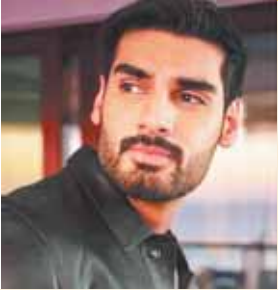
अभिनेत्री ने दर्शकों से भी अपील की कि वे काशी, लव और स्काउट में से किसी को भी गलत ठहराने में जल्दबाजी न करें। उन्होंने कहा कि घर के तनावपूर्ण माहौल में कई बार परिस्थितियों को समझना मुश्किल हो जाता है। दोनों एक-दूसरे को भाई-बहन मानते हैं, इसलिए सामान्य बातचीत जारी रखने में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। गौहर ने अंत में काजी तौकीर को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने पूरे मामले को सही तरीके से समझाया। अब देखना होगा कि लव और स्काउट के बीच तनाव कम होता है या यह विवाद बिग बॉस के घर में आगे भी नई बहस को जन्म देता है।

भोपाल में होगा अहान शेटी की फिल्म ‘सनकी’ का एक्शन! आज से शूटिंग शुरू

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल एक बार फिर फिल्म निर्माताओं की पसंदीदा शूटिंग लोकेशन बनने जा रही है। अभिनेता अहान शेटी की आगामी फिल्म ‘सनकी’ की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू होने वाली है। एक्शन, रोमांस और ड्रामा से भरपूर इस फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं। फिल्म की कहानी को फिलहाल गोपनीय रखा गया है, लेकिन इसके एक्शन-ड्रामा और प्रेम कहानी के मिश्रण ने दर्शकों की उत्सुकता बढ़ा दी है।

फिल्म ‘सनकी’ में अहान शेटी के साथ अभिनेत्री पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। दोनों की जोड़ी पहली बार इस फिल्म के जरिए

दर्शकों के सामने आएगी। फिल्म में दमदार एक्शन दृश्यों के साथ भावनात्मक उतार-चढ़ाव और रोमांटिक कहानी देखने को मिलेगी। हालांकि, किरदारों और कहानी से जुड़ी जानकारी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई ‘रुस्तम’ और ‘मिशन रानीगंज’ जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। बताया जा रहा है कि वह फिल्म की टीम के साथ भोपाल पहुंच चुके हैं और शूटिंग की तैयारियों में जुटे हैं। शहर में फिल्म की शूटिंग से स्थानीय फिल्म



गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। फिल्म के नाम को लेकर भी एक दिलचस्प जानकारी सामने आई है। रिपोटर्स के मुताबिक, ‘सनकी’

टाइटल पहले निर्माता साजिद नाडियाडवाला के पास पंजीकृत था। अहान शेटी ने जब अपनी नई फिल्म के लिए इस नाम का इस्तेमाल करने में रुचि दिखाई, तो उन्होंने सीधे साजिद नाडियाडवाला से मुलाकात कर इस बारे में बात की। बताया जाता है कि दोनों के बीच यह मामला सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझ गया और साजिद ने खुशी-खुशी टाइटल इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी। इसे अहान और शेटी परिवार के साथ उनके अच्छे संबंधों से जोड़कर देखा जा रहा है।

आईपीएल 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन ने बदली पूरी रणनीति

एमआई में बड़ी सर्जरी, मलिंगा समेत तीन दिग्गज कोचों की छुट्टी

नई दिल्ली , एजेंसी

आईपीएल 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपनी टीम में बड़े बदलाव का फैसला किया है। फ्रेंचाइजी ने कोचिंग स्टाफ में व्यापक फेरबदल करते हुए श्रीलंका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा, भारतीय कोच पारस म्हाम्ब्रे और फील्डिंग कोच कार्ल हॉपकिंसन से अलग होने का निर्णय लिया है। इन बदलावों को मुंबई इंडियंस की नई रणनीति और अगले सत्र में दमदार वापसी की तैयारी के तौर पर देखा जा रहा है। खास बात यह है कि टीम पहले ही अपने मुख्य कोच महेशा जयवर्धने से नाता तोड़ चुकी है। उनकी जगह वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान और मुंबई के पुराने खिलाड़ी कीरोन पोलार्ड को मुख्य कोच की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुंबई इंडियंस और लसिथ मलिंगा

का रिश्ता काफी पुराना और सफल रहा है। मलिंगा ने खिलाड़ी के रूप में फ्रेंचाइजी को कई बड़ी सफलताएं दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी सटीक यॉर्कर और डेथ ओवरों में बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता मुंबई की गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत रही। खिलाड़ी के रूप में लगभग 11 साल तक मुंबई फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहने के बाद उन्होंने कोचिंग की भूमिका भी संभाली। मलिंगा ने 2018 में मुंबई इंडियंस के साथ मैनर के तौर पर काम किया था। इसके बाद अगस्त 2023 में शेन बॉन्ड की जगह उन्हें तेज गेंदबाजी कोच बनाया गया। आईपीएल 2024 से 2026 तक उन्होंने इस जिम्मेदारी को निभाया। इस तरह खिलाड़ी और कोच के रूप में उनका मुंबई के साथ करीब 13 साल का जुड़ाव रहा। अब फ्रेंचाइजी के इस फैसले के साथ उनका लंबा सफर समाप्त हो गया है।



जयवर्धने के बाद पोलार्ड को मिली बड़ी जिम्मेदारी

मुंबई इंडियंस ने अपने कोचिंग ढांचे में बदलाव की शुरुआत महेशा जयवर्धने से अलग होने के फैसले के साथ की थी। अब उनकी जगह कीरोन पोलार्ड को मुख्य कोच बनाया गया है। पोलार्ड लंबे समय तक मुंबई की टीम के लिए खेल चुके हैं और फ्रेंचाइजी की कई खिताबी सफलताओं के गवाह रहे हैं। एक खिलाड़ी के रूप में मुंबई के लिए उनका

अनुभव और टीम के माहौल की समझ नई जिम्मेदारी में उनके काम आ सकती है। फ्रेंचाइजी को उम्मीद होगी कि पोलार्ड के नेतृत्व में टीम एक बार फिर अपना पुराना दबदबा कायम कर सकेगी। हालांकि, उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती खिलाड़ियों के प्रदर्शन में निरंतरता लाने और टीम को खिताब की दौड़ में वापस पहुंचाने की होगी।

कपिल देव की वर्ल्ड कप विजेता टीम से आधुनिक टीम इंडिया तक बदला क्रिकेट का अंदाज

1983 में एक मैनेजर, अब 17 सदस्यीय टीम! कोच से लेकर डॉक्टर-फिजियो तक

नई दिल्ली , एजेंसी

साल 1983 में कपिल देव की कप्तानी में भारत ने पहली बार वनडे वर्ल्ड कप जीतकर इतिहास रचा था। उस दौर में टीम के पास न आज जैसी विशेषज्ञ कोचिंग व्यवस्था थी, न समर्पित मेडिकल टीम और न ही प्रदर्शन का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों की लंबी फौज। खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजर पीआर मान सिंह ही यात्रा, ठहरने, खाने और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते थे। लेकिन अब क्रिकेट पूरी तरह बदल चुका है। मैदान पर उतरने वाले 11 खिलाड़ियों के पीछे कोच, डॉक्टर, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजर, ट्रेनिंग असिस्टेंट और परफॉर्मेंस एनालिस्ट समेत 17 सदस्यों का सपोर्ट स्टाफ काम कर रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक वीडियो ने इसी आधुनिक व्यवस्था की झलक दिखाई है।

1983 में भारतीय टीम ने सीमित संसाधनों के बावजूद विश्व कप जीतकर दुनिया को चौंका दिया था। उस समय खिलाड़ियों की तकनीक, अनुभव और आपसी तालमेल पर ज्यादा भरोसा किया जाता था। आज खिलाड़ियों की तैयारी केवल नेट्स में अभ्यास तक सीमित नहीं है। फिटनेस, चोट से बचाव, रिकवरी, रणनीति और विरोधी टीम के प्रदर्शन का विश्लेषण भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है। बीसीसीआई के वीडियो में न्यूजीलैंड दौरे पर टीम इंडिया के कोचिंग और सपोर्ट स्टाफ को दिखाया गया है। इसमें मुख्य कोच गौतम गंभीर से लेकर मेडिकल टीम और लॉजिस्टिक्स संभालने वाले सदस्यों तक की भूमिका सामने आती है।



गंभीर, मोर्कल और कोटक के हाथों में कोचिंग की कमान

टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक, गेंदबाजी कोच मोने मोर्कल, रिपन गेंदबाजी कोच साईराज बहुतले और फील्डिंग कोच सुभदीप घोष खिलाड़ियों की तैयारी में अहम भूमिका निभाते हैं। सितांशु कोटक घरेलू क्रिकेट में 8,061 प्रथम श्रेणी रन बना चुके हैं, जबकि पूर्व भारतीय लेग स्पिनर साईराज बहुतले के नाम प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 630 विकेट हैं। दक्षिण

अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मोने मोर्कल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 544 विकेट हासिल किए थे। वहीं, सुभदीप घोष खिलाड़ियों की कैचिंग, थ्रो और फील्डिंग क्षमता बेहतर करने पर काम करते हैं। स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग कोच एड्रियन ले रूवस खिलाड़ियों की ताकत, सहनशक्ति और फिटनेस पर ध्यान देते हैं, ताकि लंबे दौरे और लगातार मैचों के दबाव के बीच खिलाड़ी अपनी क्षमता बनाए रख सकें।

नेट्स में भी चलती है तेज गेंदबाजी की तैयारी

टीम के ट्रेनिंग असिस्टेंट दयानंद गरानाई, उदनाका नुवान और राघवेंद्र दुर्रा बल्लेबाजों को अभ्यास कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राघवेंद्र दुर्रा को क्रिकेट जगत में ९८.२५% के नाम से जाना जाता है। थ्रोडाउन स्पेशलिस्ट के रूप में वह बल्लेबाजों को तेज गेंदों का सामना करने के लिए तैयार करते हैं। इसके अलावा परफॉर्मेंस एनालिस्ट हरि प्रसाद मोहन आंकड़ों और वीडियो फुटेज के जरिए खिलाड़ियों के प्रदर्शन तथा विरोधी टीम की रणनीतियों का विश्लेषण करने में मदद करते हैं। टीम ऑपरेशन मैनेजर सुमीत और लॉजिस्टिक्स मैनेजर खाना मुबारिससद्दीन दौरे से जुड़ी व्यवस्थाओं का तालमेल संभालते हैं।

डॉक्टर, फिजियो और मसाजर संभालते हैं फिटनेस का मोर्चा

लंबे अंतरराष्ट्रीय दौरों में खिलाड़ियों को फिट रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। टीम डॉक्टर डॉ. चार्ल्स मिंज, फिजियोथेरेपिस्ट कमलेश जैन और योगेश परमार तथा मसाजर नंदन माजी और वेतन कुमार इस जिम्मेदारी में सहयोग करते हैं। इनका काम खिलाड़ियों की शारीरिक जरूरतों के मुताबिक सहायता देना, चोट से उबरने में मदद करना और मैचों के बीच रिकवरी को बेहतर बनाना है। आधुनिक क्रिकेट में फिटनेस और कार्यभार प्रबंधन का महत्व लगातार बढ़ा है, क्योंकि खिलाड़ियों को अलग-अलग प्रारूपों में अपनी क्षमता साबित करनी होती है।

पिछले सत्र की नाकामी ने बढ़ाई बदलाव की जरूरत

मुंबई इंडियंस के लिए पिछला आईपीएल सत्र निराशाजनक रहा था। पांच बार खिताब जीतने वाली टीम 2026 में 10 टीमों की अंकतालिका में नौवें स्थान पर रही। बड़े नामों और अनुभवी खिलाड़ियों से सजी टीम उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में टीम को कई मौकों पर संघर्ष करना पड़ा। लगातार खराब प्रदर्शन के बाद फ्रेंचाइजी के सामने टीम की रणनीति और कोचिंग व्यवस्था में बदलाव करना जरूरी हो गया था। इसी कड़ी में अब कोचिंग स्टाफ के तीन और अनुभवी सदस्यों की विदाई हुई है। मुंबई इंडियंस का नया कोचिंग ढांचा अब किस तरह काम करता है, इस पर सभी की नजरें रहेंगी। मलिंगा जैसे अनुभवी गेंदबाजी विशेषज्ञ और पारस म्हाम्ब्रे जैसे कोच के जाने से टीम के सामने नई व्यवस्था तैयार करने की चुनौती होगी। वहीं पोलार्ड के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी को नई ऊर्जा और नई सोच के साथ मैदान पर उतरने की उम्मीद है।

तिलक वर्मा का बदला अंदाज, अब पहली गेंद से बरसाएंगे चौके-छक्के



ऑकलैंड। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा का बल्लेबाजी क्रम बदलने के साथ उनका अंदाज भी बदल गया है। पहले नंबर-3 पर बल्लेबाजी करने वाले तिलक अब नंबर-5 या नंबर-6 पर उतर रहे हैं। इस नई भूमिका में उनकी रणनीति आक्रामक बल्लेबाजी के साथ पारी को संभालकर खेलने की भी है। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से पहले उन्होंने बताया कि निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उनकी सोच में किस तरह बदलाव आया है। तिलक वर्मा ने कहा कि उनके पास पहले से ही बड़े शॉट खेलने की क्षमता रही है और उन्होंने नंबर-3 पर भी खूब रन बनाए हैं। लेकिन अब पांचवें या छठे नंबर पर उतरते हुए वह पहली गेंद से ही बाउंड्री लगाने का मौका तलाशते हैं। हालांकि, इसके लिए गेंद का सही होना जरूरी है।

डेथ ओवरर्स में गेंदबाजों पर दबाव बनाने की रणनीति

तिलक का मानना है कि लक्ष्य का पीछा करते समय आखिरी ओवरों में गेंदबाजों पर काफी दबाव होता है। ऐसे में बल्लेबाज को धैर्य बनाए रखते हुए सही समय पर आक्रामक रुख अपनाना चाहिए। पिछले 12 महीनों में रन रेंज के दौरान उनके प्रदर्शन ने भारतीय टीम को कई अहम मौकों पर मजबूती दी है। नीतीश रेड्डी के साथ साझेदारी ने दिखाई जीत न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में नीतीश रेड्डी के साथ साझेदारी को याद करते हुए तिलक ने बताया कि उन्होंने अपने साथी से मैच को आखिरी तक ले जाने की बात कही थी।



मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारत सरकार ने गुरुवार को कहा कि उसने नई एमनेस्टी स्कीम 2025 की अवधि 31 दिसंबर तक बढ़ा दी है, ताकि नियोकाओं और बीमिष्ठ व्यक्तियों को लॉबिष्ठ मामले सुलझाने के लिए ज्यादा समय मिल सके। विभिन्न हितधारकों के सुझावों की समीक्षा के बाद कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने इसकी समय सीमा बढ़ावा देना है। यह योजना नियोकाओं को ईएसआईसी के साथ कानूनी योजना 1 अक्टूबर 2025 से 30

ईएसआईसी ने 31 दिसंबर तक बढ़ाई एमनेस्टी स्कीम की अवधि कोर्ट के बाहर सुलझ सकेंगे विवाद

सितंबर 2026 तक थी, अब इसे मौजूदा नियमों और शर्तों पर तीन महीने और बढ़ाकर 1 अक्टूबर 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक कर दिया गया है। नई एमनेस्टी स्कीम एक वन-टाइम विवाद समाधान पहल है, जिसका मकसद कोर्ट में लॉबिष्ठ मामलों के बैकलॉग को कम करना और पुराने ईएसआई ईएक्ट के तहत अनुपालन को बढ़ावा देना है। यह योजना नियोकाओं को ईएसआईसी के साथ कानूनी विवादों को कोर्ट के बाहर सुलझाने के

लिए एक व्यवस्थित तरीका देती है। नई एमनेस्टी स्कीम, 2025 विवाद समाधान का एक व्यावहारिक और नियोका-अनुकूल रास्ता है और यह कारोबार करने में आसानी बढ़ाने के साथ-साथ ईएसआईसी से जुड़े नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने के सरकार के बड़े लक्ष्य का भी समर्थन करती है। इस स्कीम के तहत तदर्थ आकर्षण का निपटान वास्तविक अंशदान और ब्याज का भुगतान करके किया जा सकता है, इस पर कोई हर्जाना नहीं लगाया जाएगा।

म्यूचुअल फंड्स में एक नवंबर से डिफॉल्ट होगा डायरेक्ट प्लान, निवेशकों को मिलेगा रिटर्न

मुंबई। एसेट मैनेजमेंट कंपनियों (एएमसी) के डिजिटल प्लेटफॉर्म पर म्यूचुअल फंड स्कीमों में एक नवंबर से डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट होंगे। यह जानकारी भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडे की ओर से दी गई। साथ ही, कहा कि एएमसी को उन ग्राहकों को अधिक एक्सपेंस रेशेयो की जानकारी देनी होगी, जो कि रेगुलर प्लान का विकल्प चुनते हैं। इसके जरिए सेबी को डिफॉल्ट म्यूचुअल निवेशकों का रिटर्न बढ़ाना है। आमतौर पर डायरेक्ट प्लान में रेगुलर की अपेक्षा एक्सपेंस रेशेयो कम होता है और निवेशकों अधिक रिटर्न मिलता है।

देश की आर्थिक राजधानी में एनडीटीवी प्रॉफिट इनाइट-दीपावली संस्करण में पांडे ने कहा कि नियामक मेनबोर्ड इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) और फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर (एफपीओ) के ढांचे की फिर

से समीक्षा करेगा। साथ ही, वह एसएमई आईपीओ ढांचे और %इनोवेटर्स ग्रोथ प्लेटफॉर्म% की भी समीक्षा कर रहा है - खासकर नई पीढ़ी की कंपनियों के लिए - ताकि विकासशील व्यवसायों को सार्वजनिक पूंजी तक बेहतर पहुंच मिल सके। पांडे ने कहा, सार्वजनिक पूंजी अपने साथ सार्वजनिक जिम्मेदारी भी लाती है। उन्होंने आगे बताया कि सेबी ने इस बात की सख्त निगरानी का प्रस्ताव रखा है कि इश्यू से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल कैसे होता है, और वह डिसेंबर ट्रिस्टी के लिए बने ढांचे की भी समीक्षा कर रहा है। पांडे ने बताया कि नियामक एक ऐसा ढांचा तैयार कर रहा है, जिसके तहत थर्ड-पार्टी निगरानी एजेंसियां ??यह जांच करेंगी कि इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) के जरिए जुटाई गई रकम का इस्तेमाल उन्हीं उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है या नहीं, जिनका जिम्मा ऑफर दस्तावेजों में किया गया था।





अर्नब का असर... एमपी-यूपी समेत 14 राज्यों में आंधी-बारिश जारी

» रेड और ऑरेंज अलर्ट भी... ठंडी हवाओं से दिन के तापमान में गिरावट आई

विशाखापटनम, भोपाल, नई दिल्ली, एजेंसी

चक्रवाती तूफान अर्नब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल गया है। इसके बावजूद मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों में आंधी-बारिश जारी है। मौसम विभाग ने अगले दो दिन के लिए 14 राज्यों में रेड-ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बारिश और ठंडी हवाओं से कई राज्यों में दिन के तापमान में गिरावट आई है।

ओडिशा के 3 जिलों गंजाम, गजपति और कंधमाल में बाढ़ आ गई। गंजाम के 300 गांवों का संपर्क टूट गया है। गंजाम और गजपति जिलों में करीब 62 हजार लोग बाढ़ में फंसे हैं। NDRF की 54 टीमें 120 लोगों को एयरलिफ्ट कर चुकी हैं। दिल्ली में देर रात बारिश हुई। अधिकतम तापमान 25.4°C दर्ज किया गया, जो एक दिन पहले से 6.4°C कम और पिछले चार साल में अक्टूबर का सबसे कम अधिकतम तापमान है।



मप्र में 2 नवंबर तक रहेगा असर... ग्वालियर, जबलपुर समेत 33 जिले अलर्ट पर रहेंगे

मध्य प्रदेश में दो दिन से चक्रवाती तूफान 'अर्नब' का असर बना हुआ है। मऊगंज में आज सुबह से रिमझिम बरसात हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, 2 नवंबर तक प्रदेश में बारिश हो सकती है। आज ग्वालियर-जबलपुर समेत 33 जिलों में तेज हवाएं चलने और हल्की बारिश होने की संभावना है। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते गुरुवार को दिन का तापमान 2 डिग्री तक गिर गया। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए राजगढ़, विदिशा, नीमच, अगर-मालवा, मंदसौर, ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, दतिया, अशोकनगर, मुरैना, भिंड, श्योपुर, जबलपुर, कटनी, बालाघाट, मंडला, डिंडौरी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मैहर, शहडोल, उमरिया, अनुपपुर, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में अलर्ट जारी किया है। वहीं, भोपाल, रायसेन, सीहोर, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, पाण्डुरा, बैतुल, नर्मदापुरम, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार, बड़वानी, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर में मौसम साफ रहने और धूप निकलने की उम्मीद है।

न्यूज विंडो

आईडीबीआई की बिक्री पर राहुल का तंज... कांग्रेस के समय बैंक बनते थे अब बिकते हैं

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों के निजीकरण को लेकर केंद्र सरकार और विपक्ष के बीच राजनीतिक व आर्थिक घमासान तेज हो गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आईडीबीआई बैंक के कर्मचारियों को एक औपचारिक संदेश जारी कर बैंक के निजीकरण के सरकारी फैसले का कड़ा विरोध किया है। राहुल ने एक्स पर लिखा, 'कांग्रेस के समय में IDBI बना - देश का उद्योग खड़ा करने के लिए। मोदी के समय में पहले बोली देखी गई, फिर दाम तय हुआ। कांग्रेस के time पे बैंक बनते थे। मोदी के time में बिकते हैं।' ' IDBI बैंक के कर्मचारियों के साथ खड़ा हूँ। '



केजीबीवी शिक्षकों को अब मिलेगा 17 हजार रुपये मासिक मानदेय

लखनऊ। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों (केजीबीवी) में कार्यरत शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। न्यायमूर्ति पंकज भाटिया ने प्रदेश सरकार को चार माह के भीतर शिक्षकों के पद स्वीकृत अथवा सृजित करने और उनकी सेवा शर्तें नियमित शिक्षकों के समान बनाने का निर्देश दिया है। अदालत ने नियमितीकरण के दावों पर भी शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता और सेवा अवधि के आधार पर कानून के अनुसार विचार करने को कहा है। अर्चना बूध व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए न्यायालय ने निर्देश दिया कि जब तक सरकार आवश्यक कदम नहीं उठा लेती, तब तक सभी केजीबीवी शिक्षकों को निर्णय की तारीख से 17 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाए। उन्हें निशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 24(2) के तहत सेवा संबंधी संरक्षण भी मिलेगा।



हिमांशु भाऊ और काला असौदिया गैंग का बदमाश दिल्ली पुलिस के हाथों गिरफ्तार

नई दिल्ली। दक्षिणी जिला पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने हिमांशु भाऊ और काला असौदिया गैंग से जुड़े एक बदमाश को गिरफ्तार किया है। बदमाश की पहचान हरियाणा के झज्जर निवासी 30 वर्षीय मनीष उर्फ अजय उर्फ भोला के रूप में हुई है। वह हत्या और डकैती के दो मामलों में फंसा चल रहा था और अदालत ने उसे भगोड़ा घोषित कर रखा था। पुलिस ने उसके कब्जे से एक पिस्टल और पांच कारतूस बरामद किए हैं। दक्षिणी जिला पुलिस उपायुक्त अनंत मित्तल के अनुसार, स्पेशल स्टाफ को 27 अक्टूबर की रात सूचना मिली थी कि एक बदमाश अवैध हथियार लेकर जौनापुर स्थित नीम करोली, मंडी रोड के पास आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने बदमाश को दबोच लिया।

बंगाल में ईडी की बड़ी कार्रवाई... 'कोहीनूर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज' के चार ठिकानों पर छापेमारी

कोलकाता। आज सुबह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक साथ चार प्रमुख इलाकों, हावड़ा, उत्तरपाड़ा, लेक टाउन और आसनसोल में तलाशी अभियान चला रही है। केंद्रीय जांच एजेंसी की अलग-अलग टीमें एक साथ इन चारों जगहों पर पहुंचीं और संबंधित परिसरों को सुरक्षा बलों के घेरे में लेकर जांच शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक, यह पूरी कार्रवाई 'कोहीनूर ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज' के चार्टर्ड अकाउंटेंट और उनके करीबी सहयोगियों के आवासों पर की जा रही है। चारों ठिकानों पर सुबह-सुबह पहुंचे अधिकारियों ने वित्तीय रिकॉर्ड, हार्ड डिस्क और डिजिटल उपकरणों को अपने कब्जे में लेकर पड़ताल शुरू कर दी है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी पर प्लांट लगाने के नाम पर बैंकों से करोड़ों रुपये का लोन लेने का आरोप है। आरोप है कि प्लांट स्थापित करने के बजाय इस फंड को सुनियोजित तरीके से कई शेल कंपनियों के खातों में डायवर्ट किया गया था।



छिंदवाड़ा में मां की जान बचाने तेंदुए से भिड़ा बेटा, 25 मिनट के संघर्ष के बाद चंगुल से छूटे

छिंदवाड़ा, दोपहर मेट्रो

जिले के सांवरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत मुजावर माल गांव में मां- बेटे पर तेंदुए के हमले की घटना सामने आई है। बकरियों को बांधकर लौट रही महिला पर तेंदुए ने अचानक हमला कर दिया। मां की चीख सुनकर बेटा मौके पर पहुंचा और अपनी जान की परवाह किए बिना तेंदुए से भिड़ गया करीब 20 से 25 मिनट तक संघर्ष चला।

बेटे ने मां को तेंदुए के चंगुल से छुड़ा लिया। हमले में मां और बेटा दोनों घायल हो गए। जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बकरियों के बाड़े से लौट रही थी। मुजावर माल गांव निवासी गीता बाई घर से करीब 100 मीटर दूर बने बाड़े में बकरियों को



बांधने गई थीं। काम पूरा कर जब वह वापस लौट रही थीं, तभी अचानक तेंदुए ने उन पर हमला कर दिया। हमले के दौरान महिला की चीख सुनकर उनका बेटा सनोज तुरंत मौके पर पहुंचा और मां को बचाने तेंदुए से भिड़ा बेटा मौके पर पहुंचने पर सनोज ने देखा कि तेंदुए ने उसकी मां को दबोच रखा है।

आय से अधिक संपत्ति मामला... दानापुर अवर निबंधक सस्पेंड, गहने और महंगी घड़ियां मिली

पटना। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में दानापुर की अवर निबंधक कुमारी स्वीटी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर



दिया गया है। मध्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग ने गुरुवार को इस संबंध में अधिसूचना जारी की। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो की छापेमारी के करीब एक माह बाद विभाग ने यह कार्रवाई की है। कुमारी स्वीटी और उनके पति रविन्द्र कुमार दिवाकर पर लगभग एक करोड़ छह लाख 85 हजार 900 रुपये की आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। रविन्द्र कुमार दिवाकर पटना में अपर समाहर्ता (आपूर्ति) के पद पर तैनात हैं। निगरानी अन्वेषण ब्यूरो ने दोनों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अफसर दंपती के ठिकानों पर हुई छापेमारी के दौरान करीब 70 लाख रुपये नकद मिले थे। इसके अलावा महंगी घड़ियां और गहने भी बरामद किए गए थे। जांच के दौरान दानापुर में दो फ्लैट होने की जानकारी भी सामने आई थी।

वन विभाग का अमला भी अस्पताल पहुंचा

घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग का अमला भी अस्पताल पहुंचा मां ने बताया हमले की पूरी घटना घायल गीता बाई ने बताया कि वह बाड़े में बकरी बांधकर बाहर निकल ही रहीं थीं, तभी तेंदुए ने अचानक उन पर झपट्टा मार दिया। उनके चिल्लाने पर बेटा दौड़कर आया और तेंदुए से भिड़ गया। सनोज ने साहस और मां के प्रति अपने प्रेम का परिचय देते हुए अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी जान बचाई। 7 घटना के बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की मौजूदगी को लेकर ग्रामीणों में चिंता बनी हुई है।

48 घंटे के बंद का ऐलान

मणिपुर के कांगपोकपी से दो युवक लापता, नगा समुदाय पर अपहरण का आरोप



इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में दो युवक लापता हो गए हैं। इसके बाद कुकी समुदाय के संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी ने 48 घंटे के बंद का ऐलान किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लापता युवकों की पहचान 21 साल के थांगगिनलुन चोंगलोई और 20 साल के पाओगिनलाल हैंगसिंग के रूप में हुई है। दोनों बुधवार शाम ताफू कुकी गांव के पास से लापता हुए थे। आरोप लगाया कि दोनों युवकों का अपहरण नगा समुदाय के लोगों ने किया है। संगठन ने घटना की निंदा करते हुए दोनों की सुरक्षित रिहाई की मांग की है। एक अधिकारी ने बताया कि दोनों युवकों का अब तक कोई पता नहीं चला है। मामले की जांच की जा रही है।

संगठन ने युवकों की रिहाई की मांग की

संगठन ने दोनों युवकों की तत्काल, सुरक्षित और बिना किसी शर्त रिहाई की मांग की है। संगठन ने सरकार से उन्हें बचाने के लिए तुरंत कदम उठाने की अपील भी की है। मणिपुर में 3 मई 2023 को मैतेई और कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा शुरू हुई थी। इसके बाद राज्य में बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हुआ और हजारों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े। हिूमन राइट्स वॉच के सितंबर 2026 के आकलन के मुताबिक, इस हिंसा में 260 से ज्यादा लोगों की मौत हुई और 60 हजार से अधिक लोग विस्थापित हुए।

मेट्रो एंकर

माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए अच्छी खबर, रेलवे की खानपान सेवाओं का विस्तार

अब श्रद्धालुओं को मिलेगा गर्म नाश्ता, चाय और ताजा दूध

कटड़ा, एजेंसी

श्री माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए देशभर से कटड़ा आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने कटड़ा रेलवे स्टेशन पर खानपान सेवाओं का विस्तार किया है।

स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर कैटरिंग की दुकानें आवंटित की गई हैं। जिनके शुरू होने से यात्रियों को चाय, नाश्ता और अन्य खाद्य सामग्री स्टेशन परिसर में ही मिल सकेगी। इन्हें अगले माह से शुरू करने की योजना है।

वहीं, स्टेशन पर कुछ नए आउटलेट्स भी शुरू किए गए हैं, जिनमें पानी, चाय आदि उपलब्ध करवाई जा रही है। कटड़ा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक और चार-पांच पर नई कैटरिंग दुकानें आवंटित की गई हैं। यहां स्वच्छ और उचित कीमत पर गर्म भोजन, नाश्ता तथा चाय उपलब्ध कराने की व्यवस्था होगी।



यात्रियों को ताजा पैक दूध मिलेगा

यात्रियों की पोषण संबंधी जरूरतों को देखते हुए प्लेटफार्म नंबर दो-तीन पर आधुनिक मिल्क बूथ भी आवंटित किया गया है। इससे छोटें बच्चों, बुजुर्गों और बीमार यात्रियों को ताजा और पैक दूध मिल सकेगा। जम्मू मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल के मार्गदर्शन में कटड़ा स्टेशन पर यात्रियों की खानपान सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर खानपान आउटलेट्स शुरू करने की दिशा में भी काम कर रहा है। यहां चना-पूरी, राजमा-चावल सहित अन्य खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने की योजना है। नई सुविधाओं से स्टेशन पर यात्रियों को मिलने वाली सहूलियतें बढ़ेंगी। कटड़ा रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से बंद रिफ्रेशमेंट रूम को दोबारा शुरू करने की दिशा में कदम उठाया गया है।